राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 28 फरवरी 2025 वर्ष-8,अंक-12 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएफ ब्याज दर को लेकर आज फैसला

ईपीएफओ के करोड़ों मेंबर्स को लग सकता है बड़ा झटका

नई दिल्ली । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की बैठक शुक्रवार को होने वाली है, जिसमें प्रॉविडेंड फंड के ब्याज दर को लेकर फैसला लिया जा सकता है। ऐसा माना जा रहा है कि अगर शुक्रवार को न्यासी बोर्ड ब्याज को लेकर फैसला लेता है तो ईपीएफओके करोड़ों मेंबर्स को बड़ा झटका लग सकता है। ईपीएफओका सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी पीएफ में जमा पैसे पर मिलने वाले सालाना ब्याज में कटौती कर सकती है।भविष्य निधि पर रिटर्न पिछले वित्त वर्ष के लिए घोषित 8.25 प्रतिशत ब्याज दर से कम रहने की संभावना है। गौरतलब है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के ईपीएफओका सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी की 2024-25 के लिए पीएफ कंट्रीब्यूशन पर ब्याज दर पर चर्चा करने के लिए 28 फरवरी को बैठक होने वाली है।

ब्याज में मामूली कमी की संभावना

रिपोर्ट के अनुसार, ब्याज दर मौजूदा दर के करीब ही रह सकती है, जिसमें मामूली कमी की संभावना है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ईपीएफओ के मौजूदा फंड और निवेश को देखते हुए, इसमें मामूली कमी हो सकती है और ब्याज दर 8.2-8.25 प्रतिशत के आसपास हो सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में बॉन्ड यील्ड में गिरावट आई है और आगे भी इसमें गिरावट जारी रहने की संभावना है।

मणिपुर सीएम की रेस में फिर मैतेई चेहरे

-10 मार्च से पहले बन सकती है सरकार

इंफाल। मणिपुर में भाजपा एक बार फिर से मैतेई कम्युनिटी के नेता को मुख्यमंत्री बना सकती है। सीएम की रेस में तीन नाम आगे चल रहे हैं। तीनों मैतेई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बीरेन सिंह भी मैतेई समुदाय के हैं। हालांकि, कुकी के साथ भाजपा के कई मैतेई विधायक अब उनके खिलाफ हैं। मणिपुर में कुकी-मैतेई के बीच 3 मई 2023 से हिंसा हो रही है। बीरेन सिंह पर हिंसा के दौरान मैतेइयों को कुकी के खिलाफ उकसाने के आरोप हैं। 9 फरवरी को उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। नए सीएम के नाम पर विधायकों में सहमति नहीं बनने पर केंद्र ने 13 फरवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया। राज्य में अभी विधानसभा भंग नहीं हुई है। ऐसे में भाजपा 10 मार्च से पहले सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है। 60 सीटों वाले मणिपुर विधानसभा में भाजपा के 37 विधायक हैं। इनमें 27 मैतेई, 6 कुकी, 3 नगा और 1 मुस्लिम हैं। एनडीए के कुल 42 विधायक हैं। इसमें नेशनल पीपल्स फ्रंट के भी 5 विधायक शामिल हैं।

वाह रे वाह मान सरकार..........शिक्षा विभाग के ट्रांसफर के फर्जी आदेश पर शुरु कर दिया अमल

चंडीगढ़ । पंजाब में करीब दो सालों से बिना विभाग के कुलदीप धालीवाल के मंत्री के रूप में काम करने का मामला सामने आया। इस मामले के सामने आने के बाद पंजाब की मान सरकार की जमकर किरकिरी हुई थी। अब एक और मामला सामने आया है, इसमें पंजाब के सरकारी अमले पर प्रश्न चिह्न खड़ा कर दिया है। दरअसल यह मामला ट्रांसफर के फर्जी आदेश का है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और अफसरों ने आदेश को सही मानकर अमल भी शुरू कर दिया। यह फर्जी आदेश 57 क्लर्क, डेटा एंट्री ऑपरेटर और सेवादारों से जुड़ा था। हैरान वाली बात यह है कि किसी भी आदेश पर अमल से पहले उसकी औपचारिक प्रति ली जाती है। लेकिन मान सरकार के अधिकारियों ने औपचारिक कॉपी का भी इंतजार नहीं किया और ट्रांसफर शुरू कर दिए। सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे फर्जी आदेश के मुताबिक ही कर्मचारियों को उन जगहों पर भेजा जाने लगा, जहां का जिक्र फर्जी आदेश में था। यह पूरा मामला तब सामने आया, जब स्कूल शिक्षा विभाग के निदेशक को इसकी जानकारी मिली। उन्हें तुरंत ही सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर बताया कि आप लोग जिस आदेश के नाम पर ट्रांसफर कर रहे हैं, वह ऑर्डर ही फर्जी है। ऐसा कोई आदेश वास्तव में जारी ही नहीं किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ओर से इन लोगों को बताया गया कि यदि ऐसा कोई आदेश आएगा, तब वह आधिकारिक ईमेल पर ही आएगा। इसलिए कहीं और से शेयर किए गए आदेश पर भरोसा न करें।

मुंबई डिफेंस विभाग में करोड़ों का फर्जीवाड़ा, दो लोगों समेत एनजीओ पर मामला दर्ज

मुंबई। मुंबई के कोलाबा में डिफेंस विभाग संचालित प्रतिष्ठान यूनाइटेड सर्विसेज क्लब (यूएस क्लब) में 77.52 करोड़ रुपए की बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी का पता चला है। इस प्रतिष्ठित क्लब का संचालन भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना करती है। नौसेना की शिकायत के बाद धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए दो लोगों और एक गैर-सरकारी संगठन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी जनवरी 2005 से अक्टूबर 2024 के बीच क्लब में आर्थिक अनियमितताओं में शामिल थे, जिससे संस्था को आर्थिक नुकसान हुआ। पुलिस विभाग के सूत्रों के मुताबिक नौसेना के सेवारत अधिकारी ने मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में शिकायत दर्ज कराई है। मामले की जांच की जा रही है, जिसकी शुरुआती कार्यवाही की जा रही है।

महाकुंभ का हुआ औपचारिक समापन,

विरोधियों ने महाकुंभ के दुष्प्रचार का कोई मौका चूका नहीं: सीएम योगी

महाकुंभ नगर ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को महाकुंभ-2025 का औपचारिक समापन किया। इस मौके पर उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि महाकुंभ जैसा इतना विशाल समागम दुनिया में कहीं नहीं हुआ लेकिन विरोधियों ने इसके दुष्प्रचार का कोई मौका नहीं चूका। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने यहां स्वच्छता और स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महाकुंभ में 66 करोड़ 30 लाख श्रद्धालु आए, जिसमें अपहरण, लूट, छेड़छाड़ और दुष्कर्म की कोई घटना नहीं हुई।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कोई ऐसी घटना नहीं हुई जो विरोधियों को दूरबीन और माइक्रोस्कोप लगाकर भी ढूंढने से मिल सके। विरोधियों ने दुष्प्रचार का कोई मौका चूका नहीं। जिन्हें यह आस्था का महासमागम अच्छा नहीं लगा, उन्होंने कोई मौका नहीं चूका। उन्होंने कहा कि मौनी अमावस्या पर आठ करोड़ श्रद्धालु यहां पर थे। हमारी प्राथमिकता थी कि इन श्रद्धालुओं को सकुशल स्नान कराके उन्हें उनके गंतव्यों तक पहुंचाया जाए। लेकिन विरोधी और विपक्षी लगातार दुष्प्रचार कर रहे थे और अपमानित करने की भाषा का उपयोग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोई काहिरा की घटना का दृश्य दिखाकर प्रयागराज को बदनाम कर रहा था। मौनी अमावस्या पर 28-29 जनवरी की रात को दुखद घटना घटित हुई थी। उन सभी लोगों के परिजनों के प्रति हमारी संवेदना है। लेकिन काहिरा और काठमांडू की घटना को प्रयागराज से जोड़कर बदनाम करने की साजिशें हो रही थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि जनता जनार्दन ने एक सिरे से इन्हें खारिज करके प्रयागराज महाकुंभ में आकर यह साबित किया कि तुम्हारे दुष्प्रचार में नहीं आएंगे। उन्होंने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महाकुंभ को लेकर मध्य प्रदेश में की गई बातों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में महाकुंभ में स्वच्छता और सुरक्षा की सबसे अधिक प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा कि सरकार के सभी विभागों ने स्वास्थ्य, सुरक्षा, सिंचाई विभाग, जलापूर्ति, परिवार कल्याण विभाग के कर्मचारियों ने इस आयोजन को अपने घर का आयोजन बनाकर इसे भव्य और सफल बनाने का काम किया और तभी इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस आयोजन का हिस्सा बन सके। उन्होंने कहा कि महर्षि वेद व्यास ने 5,000 साल पहले कहा था कि धर्म के मार्ग पर चलो तो इससे अर्थ और मनोकामनाओं की पूर्ति होगी और प्रयागराज के वासियों ने वेद व्यास की इस वाणी को सत्य साबित किया

राजस्थान रीट 2025-

युवाओं के कपड़े काटे, महिलाओं की ज्वैलरी उतारी, फेस स्कैनिंग तकनीक का किया इस्तेमाल

परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने सख्त हुई सरकार

जयपुर ।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की राजस्थान टीचर एलिजिबिलिटी एग्जाम (रीट 2025) परीक्षा 27 व 28 फरवरी को तीन पारियों में आयेजित होनी है। 27 फरवरी की परीक्षा संपन्न हो चुकी है। इस एग्जाम में कैंडिडेट्स की सख्ती से चेकिंग की गई है। अभ्यर्थियों की चेकिंग इस कदर हुई कि उनके कपड़ों पर कैंची चल गई। रीट परीक्षा में पहली बार फेस स्कैनिंग से अभ्यर्थियों की जांच पड़ताल की गई। परीक्षा केंद्र के गेट पर चेकिंग के दौरान युवाओं के कपड़े काटे गए व महिलाओं की ज्वैलरी उतरवा दी गई। आए दिन होने वाली गड़बड़ी को देखकर बायोमैट्रिक सिस्टम से अभ्यर्थियों की अच्छे से जांच पड़ताल की गई है। परीक्षा में 14 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी रजिस्टर्ड हुए हैं। परीक्षा शुरू होने से 1 घंटे पहले परीक्षा केंद्र का प्रवेश द्वार बंद किया गया।

इसकारण परीक्षा केंद्र में एंट्री के लिए परीक्षार्थी दौड़ते हुए दिखाई दिए। सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। रीट परीक्षा में पहली बार फेस स्कैनिंग तकनीक का उपयोग किया गया। इस दौरान सभी परीक्षा केंद्रों के गेट पर अभ्यार्थियों के चेहरे स्कैन किए गए और बायोमैट्रिक जांच पड़ताल के बाद उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया। गाइडलाइन के अनुसार, अभ्यर्थियों के कपड़ों पर कैंची चली। इस दौरान कुछ की बाजू काटी गईं, कुछ के कॉलर हटाए गए साथ ही महिला अभ्यर्थियों के जेवर भी उतरवाए गए।

परीक्षा से पहले ही ड्रेस कोड निर्धारित किया गया थ। लेकिन उसके बाद भी परीक्षार्थियों द्वारा लापरवाही बरती गई। इसकारण प्रशासन ने सख्ती दिखाकर ये सभी इंतजाम किए।

कैबिनेट से मिली वक्फ संशोधन विधेयक को मंजूरी

10 मार्च से शुरू हो रहे संसद सत्र में ला सकती है सरकार

नई दिल्ली।

कैबिनेट ने गुरुवार को वक्फ संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी है। सूत्रों के मुताबिक, जेपीसी की रिपोर्ट के आधार पर इसे हरी झंडी दी गई है। इसे संसद के बजट सत्र के दूसरे हिस्से के दौरान पेश किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, 19 फरवरी की कैबिनेट की बैठक में इन संशोधनों को मंजूरी दी गई। इन संशोधनों के आधार पर बिल को मंजूरी दी गई है। वक्फ बिल को पहली बार पिछले साल अगस्त महीने में पेश किया गया था। लेकिन विपक्ष के विरोध की वजह से इसे संसदीय समिति को भेजा गया था। बाद में कुछ संशोधनों के बाद जगदंबिका पाल की अगुवाई वाली इस समिति ने रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। इस के बाद 13 फरवरी को वक्फ बिल पर संसदीय समिति की रिपोर्ट संसद में पेश हुई थी। समिति की रिपोर्ट के आधार पर वक्फ बिल का नया ड्राफ्ट तैयार किया गया। अब इस बिल को मोदी कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। बिल को बजट सत्र के दूसरे हिस्से में पेश किया जा सकता है। बजट सत्र का का दूसरा हिस्सा 10 मार्च से 4 अप्रैल तक चलेगा। बता दें कि इससे पहले वक्फ बिल पर जेपीसी रिपोर्ट को फर्जी बताते हुए राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा था कि ऐसी फर्जी रिपोर्ट को हम नहीं मानते, सदन इसे कभी नहीं मानेगा।

जेपीसी ने 29 जनवरी को दी थी मंजूरी

संसदीय समिति ने वक्फ बिल में नए बदलावों पर अपनी रिपोर्ट को 29 जनवरी को मंजूरी दी थी। इस रिपोर्ट के पक्ष में 15 और विरोध में 14 वोट पड़े थे। रिपोर्ट में उन बदलावों को शामिल किया गया है, जो बीजेपी सांसदों ने दिए थे। विपक्षी सांसदों ने वक्फ बोर्डों को खत्म करने की कोशिश बताते हुए असहमति नोट जमा कराए थे। विपक्ष ने वक्फ बिल को लेकर कई आपत्तियां दर्ज कराई थीं। इसके अलावा वक्फ बाय यूजर प्रावधान को हटाने के प्रस्ताव का विरोध भी किया था।

राजनीति त्यागकर नानाजी ने प्रस्तुत किया उदाहरण-अमित शाह

चित्रकूट । गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि साठ साल की आयु में राजनीति त्यागकर नानाजी देशमुख ने राजनेताओं के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय और एकात्म मानववाद की परिकल्पना को जमीन पर उतारा। अमित शाह गुरुवार को तीर्थक्षेत्र के मप्र अंतर्गत दीनदयाल शोध संस्थान में भारतरत्न नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग का जीवन युगों तक असर छोड़ता है तो कुछ लोग युग को परिवर्तनकारी बनाते हैं। नानाजी उनमें से एक थे। उन्होंने दीनदयाल जी के साथ जनसंघ की नींव रखी और राजनीति के अजातशत्रु के रूप में जीवन जिया। गृहमंत्री ने कहा कि आज की राजनीति में यह बहुत कठिन है कि आपकी आलोचना न हो पर नानाजी के कामों की पक्ष और विपक्ष दोनों ने सराहना की। उनका जीवन जलकमलवत् रहा। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जब देश के लोग नेहरू सरकार की नीतियों को लेकर निराश थे, नानाजी और पं. दीनदयाल उपाध्याय ने ऐसी नीतियां दीं, जो पार्टी नहीं देश के विकास के लिए थीं। आज भाजपा उन्हीं नीतियों के आधार पर देश नहीं बल्कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है और देश के विकास के लिए काम कर रही है। इमरजेंसी के समय नानाजी ने अन्य नेताओं के साथ मिलकर जनता पार्टी की स्थापना की और जनता ने इंदिरा गांधी को हरा दिया। इसके पूर्व गृहमंत्री ने परिसर में पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर संत मोरारी बापू, मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव और अन्य जनप्रतिनिधि, समाजसेवी आदि मौजूद रहे।

महाकुंभ में स्वच्छता और स्वास्थ्य कर्मचारियों को 10,000 रुपये का बोनस

सीएम योगी ने किया ऐलान

प्रयागराज । प्रयागराज महाकुंभ के समापन के बाद, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को महाकुंभ में स्वच्छता और स्वास्थ्य कर्मचारियों को 10,000 रुपये का बोनस देने की घोषणा की। उन्होंने आगे कहा कि यूपी सरकार यह सुनिश्चित करने जा रही है कि अप्रैल से सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन 16,000 रुपये दिया जाए और अस्थायी स्वास्थ्य कर्मचारियों को सीधे बैंक हस्तांतरण दिया जाएगा और उन सभी को स्वास्थ्य कवरेज के लिए आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान योजना से जोड़कर सभी कर्मचारियों को जन आरोग्य बीमा का लाभ मिलेगा। योगी ने महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन में उनकी भूमिका के लिए प्रयागराज में स्वच्छता और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया, स्वच्छ कुंभ कोष और आयुष्मान योजना के तहत प्रमाण पत्र वितरित किए और बाद में उनके प्रयासों को स्वीकार करने के लिए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य के साथ दोपहर के भोजन में शामिल हुए। इससे पहले दिन में सीएम योगी और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने प्रयागराज के अरैल घाट पर सफाई अभियान में भाग लिया।

विधानसभा के बाहर 7 घंटे तक चला आप विधायकों का प्रदर्शन

आज राष्ट्रपति से मिलने जाएंगी आतिशी

नई दिल्ली ।

विपक्ष की नेता आतिशी और आप के अन्य विधायकों को गुरुवार को दिल्ली विधानसभा परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया, जिसके बाद उन्होंने विधानसभा के बाहर ही करीब 7 घंटे तक धरना दिया। आप की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली में सत्ता में आने के बाद भाजपा तानाशाही की सभी हदें पार कर रही है। दरअसल, मंगलवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के दौरान सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों को विधानसभा से निलंबित कर दिया गया।

आप विधायकों का कहना है कि वह सीएम कार्यालय से भीमराव आंबेडकर की तस्वीर को कथित तौर पर हटाए जाने का विरोध कर रहे हैं। इस क्रम में गुरुवार को आप नेताओं ने विधानसभा परिसर के गेट के बाहर धरना दिया। इस दौरान डफली की थाप के साथ आप नेताओं ने अंबेडकर की तस्वीरों वाली तख्तियां पकड़ीं और सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ नारे लगाए - भाजपा सुन ले, जय भीम, जय भीम, भाजपा की तानाशाही नहीं चलेगी। करीब सात घंटे चले विरोध प्रदर्शन के बाद विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने कहा कि शुक्रवार को सबसे पहले राष्ट्रपति से मिलने जाएंगे।

राष्ट्रपति को पत्र लिखकर मांगा मिलने का समय

आतिशी ने राष्ट्रपति को एक पत्र भी लिखा है, जिसमें उन्होंने दिल्ली सरकार के दफ्तरों से आंबेडकर और भगत सिंह की फोटो कथित तौर पर हटाए जाने का मुद्दा उठाया। अपने पत्र में

उन्होंने लिखा, आपके संज्ञान में एक अत्यंत गंभीर एवं संवेदनशील विषय लाना चाहती हूं, जो भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है। दिल्ली में भाजपा की सरकार ने दिल्ली सरकार के विभिन्न दफ्तरों से संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर और शहीद-ए-आज़म भगत सिंह जी की तस्वीरें हटा दी हैं। यह न केवल देश के वीर सपूतों का अपमान है बल्कि दलित, पिछड़े और वंचित समाज का भी अपमान है।

कर्नाटक के होटलों में बनने वाली इडली को लेकर बड़ा खुलासा

52 होटलों में बन रही थी प्लास्टिक शीट की इडली

बेंगलुरु। आमतौर पर लोग दक्षिण भारतीय व्यंजन इडली को बेहद चाव से खाते हैं लेकिन इसको लेकर कर्नाटक में एक बड़ा खुलासा हुआ है जिसके बाद राज्य सरकार ने 52 होटलों पर कार्रवाई की है। कर्नाटक खाद्य सुरक्षा विभाग ने राज्यभर में 52 होटलों में इडली बनाने के लिए पॉलीथीन शीट के अवैध इस्तेमाल का खुलासा किया है जिससे लोगों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है। इसको लेकर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने गुरुवार को जानकारी दी।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इडली बनाने में विशेष रूप से पतली पॉलीथीन शीट का उपयोग स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है, क्योंकि यह कैंसरकारी (कार्सिनोजेनिक) होती है। सरकार इस तरह की हानिकारक चीजों के इस्तेमाल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।दरअसल खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने कर्नाटक के 250 स्थानों से इडली के नमूने एकत्र किए थे। स्वास्थ्य मंत्री राव ने कहा कि पहले पारंपरिक रूप से इडली पकाने के लिए कपड़े का उपयोग किया जाता था, लेकिन हमें कुछ होटलों में प्लास्टिक शीट का उपयोग किए जाने की शिकायत मिली थी। इसी आधार पर हमने जांच की और 52 होटलों में प्लास्टिक का अवैध उपयोग पाया।

प्लास्टिक से सेहत को गंभीर खतरा

जांच के दौरान मिले चौंकाने वाले नतीजों से स्वास्थ्य विभाग चिंतित है। मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि गर्म होने पर प्लास्टिक के हानिकारक तत्व इडली में मिल सकते हैं, जिससे कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती है।

सरकार की सख्त कार्रवाई

मंत्री ने कहा कि दोषी होटलों पर पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी गई है, और सरकार खाद्य व्यंजनों में प्लास्टिक के उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाएगी। उन्होंने जनता से अपील की कि यदि वो किसी होटल या रेस्टोरेंट में प्लास्टिक का उपयोग होता देखें तो तुरंत अधिकारियों को इसकी सूचना दें।

रंगीन फूड कलर पर भी प्रतिबंध

स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी बताया कि 2024 में कर्नाटक सरकार ने रॉडामिन-बी नामक खतरनाक खाद्य रंग पर प्रतिबंध लगाया था, जिसका व्यापक रूप से गोभी मंचूरियन और कॉटन कैंडी जैसे खाद्य पदार्थों में उपयोग किया जाता था। राव ने कहा कि हमने गोभी मंचूरियन की जांच के दौरान पाया कि इसमें खतरनाक रॉडामिन-बी रंग का उपयोग किया जा रहा था। यह स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है, इसलिए हमने इसे प्रतिबंधित कर दिया है। यदि कोई इस आदेश का उल्लंघन करता है, तो उसे सात साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है, और 10 लाख रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विश्व भर में जमने लगी है भारतीय फूलों की धाक

काबिले गौर है कि हॉलैंड सबसे ज्यादा फूलों का उत्पादक देश है, इस क्षेत्र में कामयाबी के तमाम सारे गुर हिन्दुस्तानी कंपनियों ने हॉलैंड की पेशेवर कंपनियों से ही सीखे है ,भारत में फूलों के निर्यात को बढ़ाने के लिए यहां शीत भंडार सुविधाओं को बढ़ाने का भी प्रस्ताव है ,जिसके अभाव में कई बार फूल बेकार हो जाते हैं या गुणवत्ता पर फर्क पड़ जाने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनकी कोई कीमत नहीं रह जाती, बेंगलुरु के अलावा अन्य स्थानों पर फूलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए इसे निर्यात उधोग में तब्दील करने के काम में भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान और त्रिवेंद्रम के वनस्पति गार्डन व अनुसंधान द्वारा प्रयास किए जा रहे है,

(लेखक-मुकेश तिवारी)

देश में हर साल 2.85 हेक्टेयर में फूल उगाए जा रहे हैं ,जिनमें से तीन चौथाई से ज्यादा हिस्सा निर्यात कर दिया जाता है, देश में भी फूलों की खपत में अच्छा खासा इजाफा हुआ है ,खास बात यह है कि तकरीबन 50 अरब डॉलर के अंतरराष्ट्रीय फूल बाजार में भारत के फूलों के निर्यात के लिए आज भी सीमित संभावनाएं बनी हुई है ,वैसे भी भारत नीदरलैंड के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा फूल उत्पादक देश होने के साथ साथ निर्यात भी है

एक दशक पहले एक दौर ऐसा भी था जब फूलों की खेती को बढ़ावा देने के बात इसलिए भी नहीं की जाती थी क्योंकि कोई भी इसे संभावित क्षेत्र मानने के लिए तैयार नहीं था ,ऐसे अनिश्चित क्षेत्र के लिए सरकार से मदद की उम्मीद भी स्वाभाविक तौर पर नहीं की जा सकती थी ,तब इस क्षेत्र की किसी योजना के लिए बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाए भी मदद देने से पहले अनगिनत प्रश्न करती थी ,तब फूलों की खेती सिर्फ छोटे किसानों का धंधा माना जाता था ,लेकिन अब पूरा परिदृश्य बदल चुका है, पिछले महीने के आखिर में फूलों की खेती 717.83 करोड़ के सालाना कारोबार वाला निर्यातआधारित उद्योग बन चुकी है , भारत में हर साल 2.85 हेक्टेयर में फूल उगाए जा रहे हैं, जिनमें से तीन चौथाई से ज्यादा हिस्सा निर्यात कर दिया जाता है ,देश में भी फूलों की खपत में अच्छा खासा इजाफा हुआ है , लेकिन खास बात यह है कि 50 अरब डॉलर के अंतरराष्ट्रीय फूल बाजार में भारत के फूलों के निर्यात के लिए असीमित संभावनाएं भी बनी हुई है बीते एक दशक में विश्व में फूलों की खपत में सालाना 40 फ़ीसदी की लगातार बढ़ोतरी हो रही है और आने वाले कुछ सालों तक तो यह सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है, मांग में वृद्धि की इस रफ्तार को देखते हुए फूल उगाकर निर्यात करने वाले परंपरागत देश मसलन हॉलैंड, कोलंबिया , इस्राइल ,दक्षिण अफ्रीका,नीदरलैंड ,जिंबॉब्वे आदि अपनी पूरी क्षमता के अनुसार फूलों का उत्पादन करके मांग वाले देशों में निर्यात करने के बाद भी अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग को पूरा नहीं कर पा रहे हैं, इससे भारतीय फूलों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में अच्छी मांग बढ़ी है ,सरकार की मदद से निजी क्षेत्र ने भी पूरी सक्रियता दिखाई और धीरे धीरे भारतीय फूलों की धाक विश्व भर में जमने लगी,

इस क्षेत्र में संभावित विकास दर को भली-भांति समझ लेने की वजह से ही आज फूलों की खेती से निजी क्षेत्र के जो बड़े नाम जुड़े हैं उनमें टाटा, बिरला, आरपीजी,एम आर एफ, और गोयनका तक के नाम शामिल हैं, गौरतलब बात है कि इस क्षेत्र में लगी अधिकांश निजी कंपनी सिर्फ निर्यात के मकसद से ही फूल उगा रही हैं, बेंगलुरु में फूल की खेती के लिए इतने विशाल आकार के फॉर्म विकसित किए गए हैं कि कभी इस बगीचे के शहर को फूलों का शहर का जाने लगे तो अचं मेंभा नहीं होना चाहिए, बेंगलुरु के अलावा पुणे, कर्नाटक , आंध्र प्रदेश, और हरियाणा भी फूलों की खेती का केंद्र बनकर उभरा है ,हैदराबाद त्रिवेंद्रम और उत्तर पूर्व के भी कुछ ऐसे स्थानों की पहचान की गई है यहां का तापमान और मौसम आदि फूलों की खेती के लिए उपयुक्त हो सकता है ,वैसे फूलों की खेती के लिए बेंगलुरु का मौसम और तापमान सबसे ज्यादा मुफीद है ,यहां 10 से 12हजार हेक्टेयर में फूलों की खेती की जा रही है, देश भर में 2.85 हेक्टेयर में फूल उगाए जा रहे हैं और तकरीबन 45000 टन फूल अकेले बेंगलुरु में उगाए जाते हैं बेंगलुरु में ही इस क्षेत्र की ज्यादा निर्यात आधारित इकाई केंद्रित हैं इसे और बढ़ाया देने के लिए अनेकों महत्वाकांक्षी योजना है ,मसलन हॉलैंड की तर्ज पर केंद्रीय नीलामी केंद्र विकसित करना जहां फूल उत्पादक कारोबारी और निर्यातक ज्यादा सुगमता से कारोबार कर सके, अभी हिंदुस्तानी फूल मोटे तौर पर हॉलैंड में ही पहुंचाते हैं और उसके बाद दुनिया के अन्य देशों में भेजे जाते हैं ,इस क्षेत्र की अन्य अहम चीजे भी हॉलैंड में ही तय होती है , काबिले गौर है कि हॉलैंड सबसे ज्यादा फूलों का उत्पादक देश है, इस क्षेत्र में कामयाबी के तमाम सारे गुर हिन्दुस्तानी कंपनियों ने हॉलैंड की पेशेवर कंपनियों से ही सीखे है ,भारत में फूलों के निर्यात को बढ़ाने के लिए यहां शीत भंडार सुविधाओं को बढ़ाने का भी प्रस्ताव है ,जिसके अभाव में कई बार फूल बेकार हो जाते हैं या गुणवत्ता पर फर्क पड़ जाने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनकी कोई कीमत नहीं रह जाती, बेंगलुरु के अलावा अन्य स्थानों पर फूलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए इसे निर्यात उधोग में तब्दील करने के काम में भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान और त्रिवेंद्रम के वनस्पति गार्डन व अनुसंधान द्वारा प्रयास किए जा रहे है,फार्मो से हॉलैंड पहुंचने और इसके बाद मांग वाले अन्य देशों को निर्यात में लगने वाले समय को ध्यान में रखते हुए फूलो की टिकाऊ प्रजातियों की काफी अहमियत है और इस दिशा में काफी अनुसंधान आदि काम किये जा रहे है जिससे भारत से निर्यात किए जाने वाले फूल अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी के उपभोक्ताओं तक पहुंचने और उपयोग में आने तक ताजा रह सके मध्य पूर्व के देशों के अतिरिक्त जापान और अमेरीका में भारतीय फूलों की मांग काफी बढ़ी है,

शुरुआत में शक के नजरिए के बाद सरकार ने भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं को पहचाना , अब बेंगलुरु के बाद पुणे और हैदराबाद में भी फूलों की खेती के लिए और अधिक फॉर्म विकसित करने का प्रयास किया जा रहा हैं, बदले हुए परिदृश्य और संभावनाएं प्रमाणित हो जाने के बाद अब बैंकों और वित्तीय संस्थाओं ने भी इस क्षेत्र के प्रति अपना नजरिया बदला है जिसके फल स्वरुप अब बैंक छोटे किसानों को भी फूलों की खेती के लिए कर्ज देने से नहीं कतराते ,कम निवेश की जरूरत और अपेक्षाकृत जल्दी पैसा मिल जाने की वजह से ज्यादा से ज्यादा किसान और कंपनियां इस व कारोबार की ओर आकर्षित हो रही है, किसानों में इस क्षेत्र के प्रति उत्साह और उत्सुकता भी है,व्यवसायिक अंदाज में खेती करने वाले कुछ किसानों ने तो फूल उगाने के लिए हॉलैंड की कंपनियों से भी तकनीकी मार्गदर्शन और सहयोग हासिल किया है ,इसमें से कुछ साधन संपन्न किसान सीधे हॉलैंड की कंपनियों के लिए फूलों का काफी बड़े पैमाने पर उत्पादन कर रहे हैं , क्योंकि उक्त कंपनियां फॉर्म से आगे अंतरराष्ट्रीय बाजार और उपभोक्ता तक फूल पहुंचाने की जिम्मेदारी स्वयं संभालती है, निजी कंपनियों के इस क्षेत्र की ओर बढ़ते रुझान की वजह से सीधी सादी यह है कि है कि कम निवेश के बाद इसमें प्रत्यक्ष लाभ जल्दी मिलने लगता है एक कंपनी ने 60 करोड रुपए का निवेश करके इस क्षेत्र में प्रवेश किया और 8 माह के भीतर ही पहली खेप के रूप में 5 करोड रुपए का निर्यात ऑर्डर हासिल कर लिया ,आमतौर पर कंपनियां कंपनियां दो से तीन साल में निवेश की गई सारी पूंजी निकाल लेती है ,भारतीय फूल निर्यातकों के लिए अच्छी बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में फूलों की मांग 12 महीने बनी रहती है, क्रिसमस और नए साल जैसे मौका पर तो विश्व बाजार में फूलों की मांग काफी बढ़ जाने से फूलों की किल्लत हो जाती है, और मुंह मांगे दाम मिलते हैं, भारतीय निर्यातक ऐसी मौके के लिए खास तैयारी किए रहते हैं, गर्मी में सुदूर पूर्व व मध्य पूर्व के देशों में भारतीय फूलों की मांग रहती है, तो सर्दियों में जापान और अमेरिका में भारतीय फूलों के लिए अच्छी खासी मांग रहती है क्योंकि तब हॉलैंड से होने वाला फूलों का निर्यात मौसम के चलते काफी कम हो जाता है, भारतीय निर्यातक हर साल सर्दी में इसका अच्छा लाभ उठाते हैं, अच्छी मांग , मुनाफे ,संभावनाओं और सहूलियतो के बीच कुछ परेशानी भी हैं हालांकि जिनका सामना इस क्षेत्र में लगी कंपनियों ,किसानों को करना पड़ता है, घरेलू हवाई अड्डों पर शीत भंडार ग्रह की पर्याप्त सुविधा नहीं होने से, फूलों के रास्ते में खराब हो जाने के जोखिम से भारतीय फूल निर्यातक सबसे ज्यादा परेशान है ,फूल ले जाने वाले विदेशी एयरलाइंस मोटे तौर पर देरी की वजह से फूल खराब हो जाने का जोखिम उठाना नहीं चाहती, विदेशी एयरलाइंस अपनी शर्तों पर ही फूल ले जाती है, ऐसी स्थिति में निर्यातक भी उससे ज्यादा हील हवाला नहीं कर सकते ,एक भी खेप खराब हो जाने पर निर्यातक को तगड़ी क्षति उठाना पड़ती है ,क्योंकि खराब हुए फूलों के एवज में उन्हें एक भी पैसा नहीं मिलता है, उधर इस क्षेत्र के लिए आवश्यक साजो सामान पर आयात शुल्क की दर भी काफी ऊंची है जिसे घटाने की मांग काफी लंबे समय से की जाती रही है ,इन परेशानियो के बावजूद भी भारत में फूलों की खेती और निर्यात का कारोबार निरंतर फल फूल रहा है, विश्व बाजार में भारतीय फूलों की मांग और उसके निर्यात को देखते हुए यह तय है कि भारतीय फूलों की धाक हमेशा दुनिया भर में बनी रहेगी।

संपादकीय

साइबर मकड़जाल

यह खबर परेशान करने वाली है कि म्यांमार और पूर्वी एशिया के कई देशों से जो संगठित साइबर अपराध संचालित हो रहे हैं, उनके चंगुल में बड़ी संख्या में भारतीय युवा भी हैं। हाल ही में म्यांमार के दुर्गम इलाकों में बनाये गए साइबर अपराधियों के अड्डों से सत्तर भारतीय युवाओं को छुड़ाया गया है। जिनको डरा-धमकाकर भारत में साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिये इस्तेमाल किया जाता था। बताया जाता है साल 2022 के बाद म्यांमार, थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया आदि से छह सौ से अधिक भारतीयों को अपराधियों के चंगुल से बचाया जा चुका है। आशंका है कि कई हजार भारतीय युवा म्यांमार समेत विभिन्न देशों में साइबर अपराधियों के अड्डों में जबरन रोके गए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय युवा प्रतिभाएं दलालों की साजिश से संगठित साइबर अपराध करने वाले अंतर्राष्ट्रीय अपराधियों के चंगुल में फंस जाती हैं। विडंबना ही है कि हम अपने युवाओं को न तो रोजगार दे पा रहे हैं और न ही विदेशों में अपना भविष्य संवारने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं को फर्जी एजेंटों के चंगुल से बचा पा रहे हैं। आखिर हमारी एजेंसियां ऐसी धोखाधड़ी करने वाले एजेंटों पर नकेल क्यों नहीं कस पा रही हैं। हाल के दिनों में कई ऐसे मामले प्रकाश में आए हैं कि युवा अपनी जमीन बेचकर व कर्ज उठाकर विदेश जाते हैं, लेकिन एजेंटों की धोखाधड़ी से वे साइबर अपराधियों के शिकंजे में फंस जाते हैं। दरअसल, साइबर अपराधियों का मकड़जाल इतना मजबूत हो चुका है कि बिना अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के उन पर नियंत्रण कर पाना संभव न होगा। ऐसे वक्त में जब साइबर अपराधियों का नेटवर्क दुनिया की आर्थिकी को चूना लगा रहा है, मिल-जुलकर इनके खिलाफ अभियान चलाना वक्त की जरूरत है। निश्चित रूप से यह एक विकट संकट है, जिसे दुनिया के देशों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यह जानते हुए कि साइबर अपराधियों का संगठन लगातार ताकतवर होता जा रहा है और वे समानांतर काली अर्थव्यवस्था चला रहे हैं। दरअसल, हो यह रहा है कि देश-दुनिया में ऑनलाइन फ्रॉड लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वे सुनहरे सपने दिखाकर बेरोजगार युवाओं को फंसाते हैं। उन्हें जगह कोई और बतायी जाती है और अंततः साइबर अपराधियों के अड्डों पर पहुंचा दिया जाता है। युवाओं के पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं। ये अड्डे ऐसी जगहों पर होते हैं कि उस देश की पुलिस की पकड़ में वे आसानी से नहीं आते। हाल के वर्षों में साइबर अपराधी इतने चतुर-चालाक हो गए हैं कि निगरानी करने वाली एजेंसियों की पकड़ से आसानी से बच जाते हैं। हाल ही में जिन सत्तर भारतीयों को म्यांमार में साइबर अपराधियों के चंगुल से मुक्त कराया गया, उसमें म्यांमार के सीमा सुरक्षा बल की बड़ी भूमिका रही है। इन मुक्त कराए गए भारतीयों में पंजाब, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना,यूपी व राजस्थान आदि राज्यों के लोग थे। इसी तरह म्यांमार व अन्य पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधियों के चंगुल में फंसे हुए भारतीयों को मुक्त कराने के लिए इन देशों की सरकारों से सहयोग मांगा जाना चाहिए। निश्चित तौर पर साइबर अपराधियों द्वारा संचालित अपराधों की लगातार मजबूत होती काली अर्थव्यवस्था पूरी दुनिया की आर्थिक व कानूनी सुरक्षा के लिये चुनौती है। दरअसल, इस काले धन से नशे के कारोबार, आतंकवाद और मानवीय तस्करी जैसे अपराधों को अंजाम दिया जाता है। इस संगठित आपराधिक नेटवर्क पर अविलंब अंकुश लगाने की जरूरत है।

मानव जीवन में बढ़ती विज्ञान की भूमिका

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (28 फरवरी) पर विशेष)

मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है। दरअसल इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान् वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी. वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल सर सी वी रमन भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पहले ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने भारत में ऐसे आविष्कार पर शोध किया था।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सी वी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात् भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।'' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। 2025 के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम है 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'। 2024 में यह दिवस विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 2023 में 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य ः शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'। एसटीअई का अर्थ है साइंस, टैक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रोद्यौगिकी और नवाचार (एसटीअई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की वर्ष 1999 से लेकर अब तक की थीम पर नजर डालें तो वर्ष 1999 का विषय था 'हमारी बदलती धरती'। वर्ष 2000 का विषय था 'मूल विज्ञान में रूचि उत्पन्न करना, 2001 का 'विज्ञान शिक्षा के लिए सूचना तकनीक', 2002 का 'पश्चिम से धन', 2003 का 'जीवन की रूपरेखा ः 50 साल का डीएनए और 25 वर्ष का आईवीएफ', 2004 का 'समुदाय में वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देना', 2005 का 'भौतिकी को मानना', 2006 का 'हमारे भविष्य के लिए प्रकृति की परवरिश करें', 2007 का 'प्रति द्रव्य पर ज्यादा फसल', 2008 का 'पृथ्वी ग्रह को समझना', 2009 का 'विज्ञान की सीमा को बढ़ाना', 2010 का 'दीर्घकालिक विकास के लिए लैंगिक समानता, विज्ञान और तकनीक, 2011 का 'दैनिक जीवन में रसायन', 2012 का 'स्वच्छ ऊर्जा विकल्प और परमाणु सुरक्षा', 2013 का 'अनुवांशिक संशोधित फसल और खाद्य सुरक्षा', 2014 का 'वैज्ञानिक मनोवृत्ति को प्रोत्साहित करना', 2015 का 'राष्ट्र निर्माण के लिए विज्ञान', 2016 का 'देश के विकास के लिए वैज्ञानिक मुद्दों पर सार्वजनिक प्रशंसा बढ़ाने के लक्ष्य', 2017 का 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकलांग व्यक्तियों के लिए', 2018 का 'एक सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' तथा वर्ष 2019 का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय 'लोगों के लिए विज्ञान और विज्ञान के लिए लोग' था। देश में अन्य क्षेत्रों के अलावा विज्ञान के क्षेत्र में भी महिलाओं के योगदान के मद्देनजर उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से 2020 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम रखी गई 'विज्ञान के क्षेत्र में महिलाएं' (वूमेन इन साइंस)। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं। विज्ञान के जरिये ही वैज्ञानिकों ने नई-नई तरह की तकनीकों का आविष्कार किया है और वैज्ञानिकों ने इन खोजों के जरिये मानव जीवन को बहुत बेहतर बना दिया है। इसी विज्ञान के जरिये हम रोबोट, कम्प्यूटर इत्यादि बनाने में सफलता प्राप्त करने के अलावा अंतरिक्ष तक में पहुंच गए हैं और असंभव दिखने वाले कार्यों को भी विज्ञान की मदद से ही संभव बनाते रहे हैं। विज्ञान की मदद से ही बनाई गई प्रतिदिन बहुत सारी तकनीकों और वस्तुओं का इस्तेमाल हम अपने दैनिक क्रियाकलापों में करते भी हैं। ऐसे में हम सभी के लिए हमारे जीवन में विज्ञान के महत्व को समझना बेहद जरूरी है।

(चिंतन-मनन)

सच को छुपाने का परिणाम

एक बार की बात है। एक व्यक्ति का पुत्र कमाने के लिए विदेश गया। विदेश कमाने गए पुत्र ने अपने पिता को एक बहुत ही सुंदर अंगूठी भेजी। पत्र में उसने लिखा, 'पिताजी! आपको मैं एक अंगूठी भेज रहा हूं। उसका मूल्य है पांच हजार रुपए।

मुझे सस्ते में मिल गई थी, इसलिए मैंने आपके लिए खरीद ली' बेटे द्वारा भेजी गई अत्यंत सुंदर अंगूठी पाकर पिता प्रसन्न हो गया। पिता ने बड़े शौक से वह अंगूठी पहन ली। अंगूठी बहुत ही चमकदार और सुन्दर थी। बाजार में पिता को कई मित्र मिले। नई अंगूठी को देख कर सबने पूछा, 'यह कहां से आई?' पिता ने कहा, 'मेरे लड़के ने विदेश से भेजी है। इसे खरीदने में उसने पांच हजार रुपए खर्च किए' पिता का एक मित्र बोला, 'क्या इसे बेचोगे? मैं इस अंगूठी के पचास हजार रुपये दूंगा।'

पिता ने सोचा, पांच हजार की अंगूठी के पचास हजार रुपये मिल रहे हैं। इतने रुपयों में ऐसी दस अंगूठियां आ जाएंगी। उसने अंगूठी निकाल कर दे दी और अपने मित्र से पचास हजार रुपए ले लिए। फिर उसने पुत्र को पत्र लिखा, 'तुमने शुभ मुहूर्त में अंगूठी भेजी। उसे मैंने पचास हजार रुपए में बेच कर पैंतालीस हजार रुपए का लाभ अर्जित कर किया'। लौटती डाक से पुत्र का पत्र आया, 'पिताजी! संकोच और भयवश मैंने आपको पिछले पत्र में सच्चाई नहीं लिखी थी। वह अंगूठी एक लाख की थी' यह सत्य को झुठलाने का परिणाम था।

विचार मंथन

कुंभ में जब भेदभाव नहीं, बाकी समय क्यों

(लेखक - सनत जैन)

उत्तर प्रदेश सरकार दावा कर रही है, महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया है। आस्था के इस महापर्व कुंभ में श्रद्धालुओं और भक्तों के बीच में किसी किस्म का कोई भेदभाव नहीं था। सभी एक ही घाट पर जाकर नहा रहे थे। कोई किसी की जात-पात नहीं पूछ रहा था। यहां कोई गरीब और अमीर भी नहीं था। आस्था के इस महापर्व मैं जब कोई भेदभाव नहीं था तो बाकी के समय भारत में जाति, धर्म, गरीब-अमीर का भेदभाव क्यों होता है। क्या यह हमारा दोहरा आचरण नहीं है। कहा जाता है कि धर्म आचरण में धारण करना होता है। नारे लगाने से अथवा धार्मिक पुस्तकों को पढ़ने से धर्म नहीं आता है। धर्म आस्था से आता है, आस्था आचरण में होनी चाहिए। कुंभ के इस महापर्व मे प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर सही रास्ते पर चलने का भक्त संकल्प लेते हैं। भारत ने देश एवं दुनिया के देशों को महाकुंभ के इस आयोजन से यही संदेश दिया है। मानव समाज के बीच कोई भेदभाव नहीं हो सकता है। यदि हम इस बात को समझ जाएं और अपनी -अपनी परंपराओं के अनुसार धार्मिक आस्था को आचरण में लेकर आएं, तभी मानव संस्कृति और मानव समाज का विकास संभव हो सकता है। जनवरी और फरवरी माह में प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हुआ। देश और विदेश से करोडों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे। संगम तट पर सभी ने आस्था की डुबकी लगाई। गंगा और संगम में डुबकी लगाने से पाप धुलेंगे, यह संभव नहीं है। जो भी श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाने के लिए गए थे, उनके मन में आस्था का विश्वास था। गंगा में डुबकी लगाने के बाद उनके मन का मैल साफ होगा। उनके पाप कटेंगे, उनकी आत्मा और आचरण में शुद्धी आएगी। जिसके कारण वह परमात्मा की निकटता प्राप्त करेंगे। आस्था के कारण करोड़ों की संख्या में जो श्रद्धालु कुंभ पहुंचे हैं। उन्होंने तरह-तरह की तकलीफें और कष्ट झेले, कष्टों ने उन्हें प्रभावित नहीं किया। उनकी आस्था गंगा मैया में डुबकी लगाने की थी। उन्होंने डुबकी लगाकर यह सिद्ध कर दिया है। आस्था से वह जो पाना चाहते हैं, वह पाने में सफल होते हैं। कुंभ के आयोजन का इससे बड़ा अन्य कोई उदाहरण हो नहीं सकता है। महाकुंभ का यह पर्व भारतीय एकता का सबसे बड़ा संदेश है। जब बिना किसी भेदभाव के करोड़ों लोग एक स्थान पर पहुंचकर आपस में मिलकर अपनी आस्थाओं और परंपराओं के अनुसार धार्मिक आस्था के साथ बिना किसी भेदभाव के महापर्व को मनाते हैं। महाकुंभ के आयोजन में विभिन्न भाषाओं और विभिन्न धर्मो के लोग प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने अपनी धार्मिक आस्था के अनुरूप इस महापर्व में उपस्थित होकर धर्म को अपनी आस्था को आचरण में शामिल किया। इस महाकुंभ से हम इतना ही सीख पाएं। बिना किसी भेदभाव के हम अपनी धार्मिक पारंपरिक एवं कुल की आस्थाओं के अनुसार मानव विकास और मानव समाज के उत्थान के लिए काम कर सकते हैं। यदि यह सृजनशीलता भारत के सभी लोगों में देखने को मिले, तो भारत का आर्थिक एवं सामाजिक विकास दुनिया के सभी देशों से ज्यादा बेहतर ढंग से होगा। भारतीय संस्कृति हमेशा से सबको साथ लेकर चलती है। 84 लाख योनियों के साथ जियो और जीने दो का भाव रखती है। सभी एक दूसरे के लिये उपयोगी हैं। मानव समाज सामा जिक विकास के साथ-साथ प्रकृति एवं संस्कृति का विकास भारतीय सनातन व्यवस्था करती है। हम सब भारतीयों के आचरण में यदि यह संस्कृति रहेगी तो हम दुनिया के सबसे संपन्न और सबसे ज्ञानवान देश होंगे इसमें कोई संदेह नहीं है। महाकुंभ से सारी दु निया के देशों को यही संदेश जाता है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने उद्योग जगत को आत्मनिर्भरता की सलाह दी

गोयल ने कहा, भारत का भविष्य वैश्विक व्यापार में अधिक भागीदारी पर निर्भर करता है

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को आयोजित एक कार्यक्रम में उद्योग जगत को आत्मनिर्भर बनने और सरकार पर निर्भरता कम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियों को सब्सिडी, उच्च आयात शुल्क और संरक्षणवादी नीतियों की बजाय अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भरता के महत्व को जोर दिया और कहा कि हमें सरकार से समर्थन की उम्मीद नहीं रखनी चाहिए। उन्होंने गुणवत्ता मानकों को अपनाने और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने उद्योग जगत से नवाचार, उत्पादन क्षमताओं और गुणवत्ता सुधार पर ध्यान केंद्रित करने की भी सलाह दी। गोयल ने कहा कि भारत का भविष्य वैश्विक व्यापार में अधिक भागीदारी पर निर्भर करता है। वे मानते हैं कि मेक इन इंडिया की तरह की पहलें देश की मानसिकता को बदल सकती हैं और भारत को वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका दे सकती हैं। गोयल ने कहा कि भारत अपनी रणनीति को मजबूत करने के लिए अन्य देशों के साथ बातचीत जारी रख रहा है और उत्पादन क्षमताओं और गुणवत्ता मानकों को अपनाने के लिए तैयार है। इसके साथ ही, गोयल ने माना कि तेल, रक्षा और खाद्य क्षेत्र में कुछ हद तक आयात पर निर्भरता बनी रह सकती है, लेकिन उन्होंने उद्योग जगत से आत्मनिर्भरता में बढ़ने की महत्वपूर्णता बताई। गोयल ने यह संदेश दिया कि भारत को आत्मनिर्भर बनकर ही वैश्विक प्लेयर के रूप में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने में सफलता मिलेगी।

भारत में तीन बैंक ही जमाकर्ताओं के लिए सुरक्षित

एसबीआई, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया की सूची में भारत के तीन बैंक ग्राहकों के लिए सबसे ज्यादा सुरक्षित बैंक हैं। रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने 13 नवंबर 2024 को डोमेस्टिक सिस्टमैटिकिली इंपॉर्टेंट बैंक का दर्जा दिया है। इस सूची में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक को रखा गया है। रिजर्व बैंक के मानकों के अनुसार यही तीन भारतीय बैंक ऐसे हैं। जो सभी सुरक्षा मानकों पर खरे उतरते हैं। इसमें एक सरकारी और दो निजी क्षेत्र के हैं। रिजर्व बैंक की सूची में शामिल यह तीन बैंक यदि डूबते हैं, तो भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे गंभीर स्थिति होगी। ऐसा रिजर्व बैंक मानना है। रिजर्व बैंक का कहना है, सबसे सुरक्षित देश के यही तीन बैंक है। जहां जमाकर्ताओं का जमा राशि पूरी तरह से सुरक्षित है।

बजाज ने महाकुंभ में संचालित किया सेवा केन्द्र

नई दिल्ली । बजाज ने महाकुंभ में सेवा केन्द्र की स्थापना की जो 24 घंटे सात दिन चला, यात्रियों को विश्राम और आराम की कमी नहीं होने दिया। बजाज के प्रतिनिधि ने इस सुखद समाचार को साझा करते हुए कहा, हम गर्व से घोषणा करते हैं कि हमने परंपरागत संस्कृति के महत्वपूर्ण उत्सव महाकुंभ मेला में श्रद्धालुओं की सेवा के लिए सेवा केन्द्र का उद्घाटन किया है। इस सुविधाजनक सेवा केंद्र ने पवित्र मौनी अमावस्या के दिन, थके हुए श्रद्धालुओं को मुफ्त गर्म पानी की थैलियां देने के माध्यम से उनके लिए एक आरामदायक वातावरण सुनिश्चित किया। इस उपहार से न सिर्फ उन्हें राहत मिली, बल्कि उन्हें कड़ाके की ठंड में जरूरी गर्माहट और आराम भी प्राप्त हुआ। इस पहल के माध्यम से बजाज ने श्रद्धालुओं का मान बढ़ाने में योगदान दिया और महाकुंभ मेला को लोगों के लिए आरामदायक और सुरक्षित बनाने के लिए नई मिसाल पेश की।

विमान में सीट छोड़ने के लिए मिले 1.8 लाख रुपए!

नई दिल्ली । एक विमान यात्री ने सोशल मीडिया पर एक एयरलाइन की ओर से एक अजीबोगरीब ऑफर के बारे में अपने अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया कि जब उन्हें सीट छोड़ने के लिए लालच दिया गया तो उन्हें लगा कि वो किसी दोस्ताना महसूस कर रहे हैं। पैसेंजर ने मांग किया कि एयरलाइन ने उन्हें अपनी सीटें छोड़ने के लिए बहुत ऊंचे ऑफर दिया है। उन्होंने अपने पोस्ट में बताया कि एक विमान से सिएटल से पाम स्प्रिंग्स जा रहे समय एक मशीनी समस्या के कारण उन्हें छोटे प्लेन में बदलना पड़ा। इसके बाद एयरलाइन ने यात्रियों से सीटें छोड़ने के लिए कहा। पहले तो 1000 डॉलर का ऑफर दिया गया, लेकिन जैसे-जैसे यात्री विमान में चढ़ने लगे, ऑफर बढ़ने लगे। एक व्यक्ति ने 2500 डालर तक देने की पेशकश की, और अंत में एक बुजुर्ग दंपत्ति ने 2800 डालर यानी 1 लाख 80 हजार रुपये तक की मांग की। जाते समय उन्होंने कहा कि वे यह पैसे अपनी कार का भुगतान करने के लिए करेंगे। डेल्टा के एक प्रवक्ता ने एक जानकारी जारी की कि इस घटना के बाद डेल्टा फ्लाइट में अधिकतम उड़ान लेने के लिए फ्लेक्सिबल ऑप्शन प्रस्तुत करेगा। उन्होंने बताया कि डेल्टा की वेबसाइट पर एक नियम है जिसके अंतर्गत यात्री स्वेच्छा से अपनी सीटें छोड़ सकते हैं और उन्हें इसके बदले में कुछ मुआवजा भी मिल सकता है। यात्रियों ने कमेंट सेक्शन में अपने अनुभव और विचार साझा किए हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने पुणे में 1,000 करोड़ की आवासीय संपत्तियां बेचीं

नई दिल्ली । रियल एस्टेट डेवलपर गोदरेज प्रॉपर्टीज ने मजबूत मांग के बीच पुणे में अपनी नई परियोजना में 1,000 करोड़ रुपये की आवासीय संपत्तियां बेची हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने पुणे के हिंजेवाडी स्थित अपनी परियोजना गोदरेज एवरग्रीन स्क्वायर में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियां बेची हैं। गोदरेज ने इस परियोजना में कुल 12.3 लाख वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली 1,398 आवासीय संपत्तियां बेची हैं। इस परियोजना को नवंबर 2024 में पेश किया गया था। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि कंपनी को ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

इंफोसिस से बर्खास्त कर्मचारियों ने लगाया धांधली का आरोप

बेंगलुरु । राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी कर्मचारी सीनेट (एनआईटीईएस) ने कथित सामूहिक बर्खास्तगी के लिए इंफोसिस पर मूल्यांकन में हेराफेरी करने और श्रम कानूनों को दरकिनार करने के लिए खामियों का फायदा उठाने का आरोप लगाया है। एनआईटीईएस के एक प्रमुख अे धिकारी ने बर्खास्तगी को अमानवीय और अचानक बताते हुए सरकार से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। हाल ही में आयोजित एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई प्रभावित कर्मचारियों ने दावा किया कि इंफोसिस ने सामूहिक विफलताओं को अंजाम देने और बर्खास्तगी को सही ठहराने के लिए जानबूझकर अपनी आंतरिक मूल्यांकन प्रक्रिया को सख्त बनाया। एक प्रभावित प्रशिक्षु-कर्मचारी ने कहा` कि 2022 में, जावा और एसक्यूएल परीक्षण अपेक्षाकृत सरल थे। लेकिन अक्टूबर 2024 में हमारे शामिल होने के बाद, कठिनाई का स्तर अचानक बढ़ गया।

विश्व बैंक ने भारत की अर्थव्यवस्था में जताया भरोसा

- निवेशकों को भारत में निवेश की सलाह दी

नई दिल्ली । विश्व बैंक के एक प्रमुख अधिकारी ने एडवांटेज असम 2.0 व्यापार सम्मेलन में भारत की अर्थव्यवस्था पर भरोसा जताया। उन्होंने निवेशकों को भारत में निवेश की सलाह दी और कहा कि भारत का भविष्य उज्जवल है। विश्व बैंक भारत की आर्थिक संभावनाओं को लेकर आशावादी है और निवेशकों को भारत में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत की विकास दर में मामूली गिरावट से भी विश्व बैंक को चिंता नहीं है। उन्होंने भारत के प्रति अपना उत्साह जताया और कहा कि भारत निवेश के लिए बेहतरीन जगह है। उन्होंने आगे कहा कि विश्व बैंक का सकारात्मक नजरिया देश के निवेश संक्षेप के लिए महत्वपूर्ण है। विश्व बैंक के अधिकारी ने भी इस बारे में अपील की कि भारत दुनिया में एक चमकता सितारा है और निवेशकों को भारत आने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही सरकार से भी निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाने की अपील की गई। यह भारत के विकास को रूझान देने में मदद कर सकता है और अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर सकता है। इस बयान से स्पष्ट होता है कि विश्व बैंक को भारतीय अर्थव्यवस्था पर पूरा भरोसा है और निवेशकों को भारत में निवेश करने के लिए बढ़ावा देने की कटिबद्धता है। भारत की रफ्तार तेज हो सकती है और देश की विकास यातायात में गति मिल सकती है।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार हुआ

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को सपाट बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आज सुबह बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई पर कुछ समय बाद ही इसमें गिरावट आने लगी। इसके बाद उतार-चढ़ाव का दौर चला। इससे दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 10.31 अंकों की बढ़ोतरी के साथ ही 74,612.43 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 2.50 अंकों की गिरावट के साथ ही 22,545.05 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबारी सत्र में वित्तीय शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली, जबकि वाहन शेयरों में भारी गिरावट रही।

आज निफ्टी के जिन शेयरों में बढ़त रही उनमें श्री राम फाइनेंस कंपनी के शेयरों पहले नंबर पर रहे। यह करीब 6 फीसदी के उछाल के साथ 606.80 रुपये के स्तर पर बंद हुआ, जबकि बजाज फिनसर्व के शेयर 2.70 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 1,926 के लेवल पर बंद हुए। इसके बाद, बजाज फाइनेंस ने 2.56 फीसदी का लाभ हासिल किया और ये 8,705 के लेवल पर बंद हुआ, जबकि सन फार्मा के शेयर 2.11 फीसदी बढ़त के साथ 1,648 के लेवल पर बंद हुए। इसके अलावा, हिंडाल्को के

शेयर 2.02 फीसदी मजबूत होकर 631.95 के स्तर पर बंद हुए।

दूसरी ओर सबसे अधिक नुकसान अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों को हुआ। इसमें बिकवाली हावी रही। अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 4.72 फीसदी टूटकर 10,448 के लेवल पर बंद हुए, जबकि टाटा ग्रुप की ट्रेंट ने 3.12 फीसदी की गिरावट दर्ज की और इसके शेयर 4,805 के लेवल पर बंद हुआ.

वहीं बजाज ऑटो के शेयरों में 2.2 फीसदी की गिरावट रही और ये 8,232 के स्तर पर बंद हुए, जबकि टाटा मोटर्स के शेयर 1.98 फीसदी की कमजोरी के साथ 648.55 के लेवल पर बंद हुए। इसके अलावा, महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में 1.85 फीसदी की गिरावट आई है और ये 2,727 के स्तर पर बंद हुए।

आज बैंकिंग स्टॉक में अच्छी तेजी के कारण् बैंक निफ्टी इंडेक्स 0.28 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ ही 48,744 के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी फॉर्मा 0.24 फीसदी की गिरावट के साथ 20,201 के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.47 फीसदी टूटकर 38,947 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी एफएमसीजी 0.76 फीसदी फिसलकर 52,055 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी ऑटो 1.51 फीसदी गिरावट के साथ ही 21,335 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 104 अंक चढ़कर 74,706 अंक पर खुला। एनएसई निफ्टी50 भी मजबूत के साथ 22,568 अंक पर खुला।

भारतीय बाजार में बिकवाली का सिलसिला जारी रह सकता है: ब्रोकरेज फर्म

मुंबई।

जापान की एक ब्रोकरेज फर्म ने भारतीय शेयर बाजार पर दबाव बने रहने की भविष्यवाणी की है। फर्म का कहना है कि विदेशी संस्थागत निवेशक चीन की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे भारतीय बाजार में बिकवाली का सिलसिला जारी रह सकता है। ब्रोकरेज फर्म के अनुसार भारतीय बाजार अभी भी उच्च मूल्यांकन पर ट्रेड कर रहा है, जो निवेशकों के लिए चिंता का विषय है। हाल ही में चीन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस **(AI)**, रोबोटिक्स और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स **(EVs)** जैसे क्षेत्रों में तेज़ी आई है। खासकर, डीपसीक चैटबॉट के चलते चीन का टेक्नोलॉजी सेक्टर निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना है। इससे चीन को अब सस्ता बाजार नहीं माना जा रहा, और विदेशी निवेशक तेजी से वहां निवेश बढ़ा रहे हैं। ब्रोकरेज फर्म ने चेतावनी दी है कि चीन के आकर्षक निवेश माहौल के चलते विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल सकते हैं। साथ ही, भारत की धीमी अर्थव्यवस्था, कमजोर कॉर्पोरेट आय और अमेरिकी टैरिफ नीतियों के कारण भारतीय बाजार पर दबाव और बढ़ सकता है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में हिस्सेदारी 16 फीसदी तक गिर गई है, जो पिछले एक दशक में सबसे कम है लेकिन एफआईआई अभी भी भारतीय शेयरों में 782 अरब डॉलर का निवेश रखते हैं, जो कोविड-पूर्व स्तर से अधिक है। अगर चीन में सकारात्मक माहौल जारी रहा, तो एफआईआई की बिकवाली आगे भी जारी रह सकती है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि अभी तक

म्यूचुअल फंड्स के जरिए शेयर बाजार में रिटेल निवेशकों का आने वाला निवेश मजबूत बना हुआ है लेकिन ब्रोकरेज फर्म को डर है कि अगर घरेलू निवेशक भी म्यूचुअल फंड्स से पैसे निकालने लगते हैं, तो यह बाजार में और गिरावट ला सकता है।

देश का विकास संबंधी अनुभव अन्य देशों के लिए बन सकता है मिसाल : सीईए

जोहानिसबर्ग । केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने यहां दक्षिण अफ्रीका और भारत के प्रमुख प्रवासी व्यापारिक नेताओं की संगोष्ठी में कहा कि भारत के विकास संबंधी अनुभव अन्य देशों के लिए मिसाल बन सकते हैं। भारतीय उच्चायोग, जोहानिसबर्ग स्थित महावाणिज्य दूतावास और सीआईआई इंडिया व्यापार मंच द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित संगोष्ठी में नागेश्वरन मुख्य वक्ता थे। सीआईआई इंडिया व्यापार मंच दक्षिण अफ्रीका में निवेश करने वाली 150 से अधिक भारतीय कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। नागेश्वरन ने कहा कि भारत सबसे अधिक आबादी वाला देश है जो लोकतांत्रिक राजनीति के संदर्भ में और संघीय शासन संरचना के संदर्भ में खुद को एक विकसित राष्ट्र में बदलने की कोशिश कर रहा है। इसलिए, भारत के अनुभव (दक्षिण अफ्रीका) सहित कई देशों के लिए बहुत उपयोगी साबित हो सकते हैं। उन्होंने विकसित भारत योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा` कि भारत सदैव उत्साह व अवसरों की भूमि रहेगा जहां अन्य देशों के लिए सीखने के अनेक सार्वजनिक नीति प्रतिमान होंगे क्योंकि हम अगले 25 वर्षों में 3000 अरब से 13000 अरब तक की यात्रा करेंगे। नागेश्वरन ने यह भी सुझाव दिया कि नए वैश्विक परिवेश में साझेदारी के प्रति बदले हुए दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

ओला इलेक्ट्रिक अपने बचे वाहनों की आपूर्ति देशभर के खुदरा बिक्री केंद्रों से करेगी

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक ने भारत में अपने सभी क्षेत्रीय गोदाम बंद कर दिए हैं और अब वह बचे वाहनों, कल पुर्जों, सहायक उपकरण आदि की आपूर्ति देश भर में अपने 4,000 खुदरा बिक्री केंद्रों से करने पर विचार कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुतो बिक इस रणनीतिक कदम से कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) मुनाफे में करीब 10 प्रतिशत अंकों की वृद्धि होने के अलावा बचे वाहनों के कल पुर्जों के प्रबंधन में सुधार और ग्राहकों को तेजी से आपूर्ति मिलने की उम्मीद है। ओला इलेक्ट्रिक अपने वितरण नेटवर्क को नया स्वरूप दे रही है। वह वाहन पंजीकरण प्रक्रिया को अनुकूल बना रही है, क्योंकि भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी ने त्वरित लाभप्रदता अभियान के तहत करीब 30 करोड़ रुपये मासिक बचत का लक्ष्य रखा है। आंतरिक सूत्रों ने संकेत दिया कि कंपनी इस महीने 25,000 से अधिक इकाइयां बेचने की राह पर है, जिससे ईवी दोपहिया वाहन खंड में उसकी अग्रणी स्थिति बरकरार रहेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ

अधिकारी ने नाम उजागर न करने शर्त पर कहा कि फ्रंट-एंड नेटवर्क का नया स्वरूप यह दर्शाता है कि हम बचे वाहनों, कल पुर्जों का प्रबंधन कैसे करते हैं और ग्राहकों को कैसी सेवा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा` कि हमारे प्रारंभिक वितरण मॉडल ने हमारे शुरुआती विकास चरण के दौरान अपना उद्देश्य पूरा किया है। अब कंपनी के तेजी से विस्तार ने फ्रंट-एंड को पुनः तैयार करना आवश्यक बना दिया है। सूत्रों ने कहा कि बचे वाहनों, कल पुर्जों की प्रक्रिया में लगने वाले समय को 30 दिन से घटाकर 15 दिन कर दिया गया है।

सरकार सभी लोगों को पेंशन के दायरे में लाने की कर रही तैयारी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार देश में यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लाने की तैयारी कर रही है और इसके आने के बाद वे सभी लोग पेंशन के दायरे में आ जाएंगे, जो अब तक इसका लाभ नहीं ले पा रहे हैं. जी हां, नई यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लाने के पीछे की सरकार की मंशा असंगठित क्षेत्र में शामिल कंस्ट्रक्शन सेक्टर में काम करने वाले श्रमिक और गिग वर्कर्स को पेंशन के दायरे में लाना है। रिपोर्ट के मुताबिक इसके प्रपोजल डॉक्युमेंट को तैयार करने का काम भी शुरू किया जा चुका है। रिपोर्ट्स की मानें तो सरकार इसे लेकर गंभीरता से विचार कर रही है और लेबर मिनिस्ट्री की ओर से इसका प्रपोजल डॉक्युमेंट्स तैयार करने पर काम शुरू हो गया है। इस नई स्कीम में सरकार अलग-अलग तरह के कई योजनाओं को शामिल करते हुए एक यूनिवर्सल पेंशन स्कीम बना सकती है। सबसे बड़ी बात ये है कि यू निवर्सल पेंशन स्क्रीम लाने का सरकार का मकसद न केवल सभी वेतनभोगी कर्मचारी, बल्कि सेल्फ एंप्लॉयड को भी पेंशन के दायरे में लाना है। इसका प्रपोजल डॉक्युमेंट तैयार होने के बाद हितधारकों से इस पर सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे। अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या यूनिवर्सल पेंशन स्कीम में सराकर का कंट्रिन्यूशन भी शामिल होगा, तो बता दें कि फिलहाल इसकी प्रक्रिया प्रारंभिक चरण में है और इससे जुड़ी ज्यादा डिटेल्स आने में समय लगेगा। रिपोर्ट्स के मुतबिक

यूपीएस एक स्वैच्छिक पेंशन स्कीम होगी और सरकार इसमें अपनी तरफ से कोई कंट्रिब्यूशन नहीं करेगी। मौजूदा समय में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ के तहत संचालित योजनाओं में कर्मचारी और नियोक्ता दोनों योगदान करते हैं।

अल्ट्राटेक की केबल और वायर सेगमेंट में एंट्री से शेयरों में गिरावट

- मोतीलाल ओसवाल ने घटाया टारगेट प्राइस

नई दिल्ली ।

केबल और वायर सेक्टर में अल्ट्राटेक की एंट्री के बाद इस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों पोलीकेब, केईआई, आरआर कबेल और हेवेल्स के शेयरों में बड़ी गिरावट देखी गई। मंगलवार को बाजार में इन कंपनियों के शेयर 13त्न तक लुढ़क गए। अल्ट्राटेक की इस नई रणनीति से केबल और वायर सेक्टर में प्रतिस्पर्धा और बढ़ सकती है, जिससे बाजार में और उथल-पुथल देखने को मिल सकती है।

ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने इस नई प्रतिस्पर्धा को केबल और वायर कंपनियों के लिए वैल्यू इरोजन (मूल्य ह्रास) का संकेत माना है। इस कारण उन्होंने केईआई और आरआर कबेल की रेटिंग बाय से घटाकर नेचुरल कर दी, जबकि पोलीकेब की रेटिंग बाय और हेवेल्स की नेचुरल पर बरकरार रखी।

वैल्यूएशन में 20% तक की कटौती

मोतीलाल ओसवाल ने अपनी कवरेज में शामिल पोलीकेब, केईआई और आरआर कबेल के वैल्यूएशन मल्टीपल में 20% की कटौती की है, जबकि हेवेल्स के लिए 10% की कमी की गई है। हेवेल्स को कम नुकसान होने का

कारण इसका विविध उत्पाद पोर्टफोलियो बताया गया।

- अल्ट्राटेक की एंट्री क्यों है अहम?

अल्ट्राटेक सीमेंट ने केबल और वायर सेक्टर में 1800 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। हालांकि, शुरुआत में यह बड़ा और बाधा उत्पन्न करने वाला निवेश नहीं लग सकता, लेकिन मोतीलाल ओसवाल के अनुसार, पेंट सेक्टर में आदित्य बिरला ग्रुप के कदम की तरह, यह सीएंड डब्लू कंपनियों के वैल्यूएशन पर असर डाल सकता है। ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि अल्ट्राटेक सीमेंट को भी हल्का नकारात्मक प्रभाव झेलना पड़ सकता है, क्योंकि निवेशक इसे मुख्य रूप से सीमेंट सेक्टर की कंपनी के रूप में देखते हैं। मोतीलाल ओसवाल के अनुसार, केबल और वायर कंपनियों की आय तब तक प्रभावित नहीं होगी जब तक कि अल्ट्रा टेक का प्लांट चालू नहीं होता, लेकिन कंपनियों के वैल्यूएशन पर असर पहले ही दिख सकता है।

गंभीर एलर्जी के इलाज के लिए ग्लेनमार्क फार्मा ने लॉन्च किया नया इंजेक्शन

नई दिल्ली ।

दवा कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने गंभीर एलर्जी (एनाफिलैक्सिस) के आपातकालीन इलाज के लिए एक नया इंजेक्शन अमेरिका में लॉन्च किया है। यह एपिनेफ्रीन इंजेक्शन यूएसपी, 10एमजी/10एमएल (1 एमजी/एमएल) मल्टीपल-डोज वायल के नाम से बाजार में उपलब्ध होगा।

यह इंजेक्शन मधुमक्खी या किसी अन्य कीड़े के काटने, कुछ दवाओं, भोजन या अन्य एलर्जी पैदा करने वाले तत्वों से होने वाली गंभीर एलर्जी का तुरंत इलाज करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। मायो क्लिनिक के अनुसार, यह उन मामलों में भी प्रभावी है, जहां एलर्जी का कारण अज्ञात होता है या यह व्यायाम से ट्रिगर हो जाती है।

ग्लेनमार्क का दावा है कि उसका यह इंजेक्शन बीपीएल लैब्स, एलएलसी के एपिनेफ्रीन इंजेक्शन के समान प्रभावी और सुरक्षित है। इसका मतलब है कि यह अमेरिकी दवा नियामक मानकों के अनुरूप है। ग्लेनमार्क फार्मा के इस नए इंजेक्शन से गंभीर एलर्जी से जूझ रहे मरीजों को सस्ता और प्रभावी इलाज मिल सकेगा। साथ ही, यह लॉन्च कंपनी की अमेरिका में उपस्थिति को और मजबूत करने में मदद करेगा। ग्लेनमार्क को एफडीए के नियमों के तहत 180 दिनों की विशेष छूट (सीजीटी एक्सक्लूसिविटी) मिली है, जिससे यह दवा कुछ समय तक बाजार में अन्य प्रतिस्पर्धी दवाओं से अलग स्थान बनाए रखेगी। दवा बाजार के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2024 तक इस इंजेक्शन की सालाना बिक्री लगभग 42.7 मिलियन डॉलर (354 करोड़ रुपये) रही।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेंगे ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान

लाहौर (एजेंसी)। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम शुक्रवार को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए हालांकि ये इतना आसान नहीं होगा क्योंकि अफगानिस्तान टीम ने जिस प्रकार से इंग्लैंड को हराया है उससे पता चलता है कि अब वह दूसरे दर्जे की टीम नहीं रही। अफगान टीम ने पहले भी आईसीसी टूर्नामेंटों में कई बड़ी टीमों को हराया है। जिसको देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम उसे हल्के में लेने की भूल नहीं करेगी। अफगानिस्तान का लक्ष्य भी इस मैच में जीत का सिलसिला जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा। उसने इंग्लैंड के खिलाफ 300 से अधिक रन बनाकर मैच जीता है। उसने पिछले साल हुए टी20 विश्व कप में भी सेमीफाइनल में जगह बनायी थी। ऐसे में ये मैच रोमांचक होना तय है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया का बल्लेबाजी क्रम भले ही बेहद मजबूत हो पर उसे अपने तीन प्रमुख तेज गेंदबाजों मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड की कमी खलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने पहले मैच में इंग्लैंड को हराया था।

दो बार की पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 15 साल के बाद चैंपियन्स ट्रॉफी का खिताब फिर से जीतना चाहेगी। टीम ने 2006 और 2009 में लगातार दो खिताब जीते पर साल 2013 और 2017 में वह फाइनल में नहीं पहुंची जिसके बाद इस प्रतियोगिता का आयोजन बंद कर दिया गया। शीर्ष तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया जानता है कि उसकी ताकत बल्लेबाजी में है। टीम के पास ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ी हैं जो विरोधी गेंदबाजी आक्रमण को बिखेरने में सक्षम हैं। नियमित खिलाड़ियों की अनुपस्थिति ने कंगारु टीम को कमजोर किया है लेकिन इसने युवा खिलाड़ियों को प्रभावित करने, टीम में अपनी जगह पक्की करने का अवसर है जिसका वह लाभ उठाना चाहेंगे। उसके पास अच्छे बल्लेबाज हैं। वहीं गेंदबाजी की कमान बेन ड्वार्शुइस, स्पेंसर जॉनसन, नाथन एलिस और एडम जंपा के पास रहेगी। ये जानते हैं

कि आगे बढ़ने इस मैच में जीत जरुरी है। ड्वार्शुइस और जॉनसन हालांकि पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। ऐसे में इनका लक्ष्य इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। जम्पा के रूप में टीम के पास एक अनुभवी स्पिनर है जो पाक के हालातों का लाभ उठा सकता है। वहीं दूसरी और उसकी बल्लेबाजी की कमान इंग्लैंड के खिलाफ 177 रन की पारी खेलने वाले इब्राहिम जादरान करेंगे। पिछले साल टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया का हराया था और इस बार इसेस दोहराना चाहेगा। उसके पास गेंदबाजी में अजमतुल्लाह उमरजई जैसे गेंदबाज है जिसन इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। टीम की कप्तानी हशमतुल्लाह शाहिदी कर रहे हैं। उसके पास राशिद खान जैसा स्टार स्पिनर है जो पिच से लाभ उठा सकता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया = स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जम्पा।

अफगानिस्तान =हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्ला उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद मलिक, नवीद जादरान।

सचिन, शास्त्री सहित कई दिग्गजों ने अफगानिस्तान टीम की प्रशंसा की

मुम्बई (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर सहित कई दिग्गजों ने चैम्पियंस ट्रॉफी में अफगानिस्तान टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अब कोई भी उनकी जीत पर हैरान नहीं होगा। सचिन ने कहा कि जिस प्रकार अफगानिस्तान ने बड़ा स्कोर बनाया और उसका बचाव किया उससे पता चलता है कि अब वह एक अच्छी टीम को गयी है। अफगान टीम ने लाहौर में पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान की 146 गेंद में 177 रन की शानदार पारी की सहायता से सात विकेट पर 325 रन बनाए और फिर अजमतुल्लाह उमरजई के 58 रन देकर पांच विकेट की सहायता से इंग्लैंड को 317 रन पर मैच जीत लिया।

तेंदुलकर ने सोशल मीडिया में लिखा, 'अफगानिस्तान का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार आगे बढ़ना प्रेरणादायक रहा है। आप अब उनकी जीत को तुक्का नहीं मान सकते, उन्होंने इसे अब आदत बना लिया है। जादरान के शानदार शतक और अजमतुल्लाह के पांच विकेट से अफगानिस्तान ने मैच में जीत तय की जिसके लिए वह तारीफ के काबिल है। ! वहीं भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने उपमहाद्वीप के हालातों में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के लिए इंग्लैंड की आलोचना की है। शास्त्री ने लिखा, 'अफगानिस्तान। आप लोग कमाल करते हैं। कमाल कर दिया। इंग्लैंड टीम उपमहाद्वीप में खेलने को बिना किसी बहाने के गंभीरता से लें। केवल तभी आप एक ऐसी टीम के रूप में पहचाने जाएंगे जो दौरा करने में अच्छी है। वहीं विश्व कप 2023 के दौरान अफगानिस्तान के साथ मेंटर के रूप में काम करने वाले पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा ने भी सोशल मीडिया पर अफगान टीम को बधाई दी है। जडेजा ने लिखा, अफगानिस्तान के प्रशंसक इस जीत के अधिकारी हैं क्योंकि वे दुनिया भर में सबसे अधिक जुनूनी और विनम्र क्रिकेट प्रशंसक हैं। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भी उम्मीद जताई कि अफगानिस्तान की टीम सेमीफाइनल से आगे जाएगी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी अफगानिस्तान के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इंग्लैंड की टीम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाई। ऐसे में अफगान टीम को जीत का श्रेय दिया जाना चाहिये।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी : बारिश के कारण रद्द हुआ पाकिस्तान , बांग्लादेश मैच

रावलपिंडी (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में गुरुवार को यहां पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच होने वाला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। इसा मैच में पहले ही बारिश की आशंकाएं जतायी जा रहीं थीं जो सही निकली। बारिश के कारण टॉस में देरी हुई और जब बारिश नहीं रुकी तो अंपायरों ने इसे रद्द घोषित कर दिया। दोनों ही टीमें पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयीं थीं। इसलिए ये मैच केवल एक औपचारिकता भर था। इस मैच के नहीं हो पाने से मेजबान पाक टीम अब ग्रुप ए से टूर्नामेंट में अंतिम स्थान पर आ गयी है क्योंकि मैच नहीं होने से दोनो ही टीमों को एक-एक अंक मिला पर नेट रन रेट में अधिक होने के कारण बांग्लादेश तीसरे और पाकिस्तान चौथे और अंतिम स्थान पर रही। इस टूर्नामेंट में पाक टीम को पहले मैच में न्यूजीलैंड जबकि दूसरे मैच में भारतीय टीम ने हराया। था। वहीं बांग्लादेश को पहले मुकाबले में भारत और दूसरे में न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा। कीवी टीम पहले और भारतीय टीम दूसरे स्थान पर है। दोनो के ही बराबर अंक हैं पर कीवी टीम का नेट रन रेट अधिक है।

चैंपियंस ट्रॉफी : रिजवान ने माना, हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया और यह निराशाजनक है

रावलपिंडी (एजेंसी)। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान का आखिरी मैच रावलपिंडी क्रिकेट ग्राउंड पर बांग्लादेश के खिलाफ बारिश की भेंट चढ़ जाने के बाद कप्तान मोहम्मद रिजवान ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिससे वे निराश हैं। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के मेजबान और गत विजेता पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड से 60 रन से हारकर टूर्नामेंट की बेहद खराब शुरुआत की और फिर दुबई में भारत से 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिससे वे सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गए।

रिजवान ने कहा, 'हम अपने देश के सामने अच्छा प्रदर्शन करना चाहते थे। उम्मीदें बहुत अधिक थीं। हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया और यह हमारे लिए निराशाजनक था। आप अपनी गलतियों से सीख सकते हैं। हमने पिछले कुछ मैचों में गलतियां की हैं। उम्मीद है कि हम इनसे सीख सकते हैं। हम अब न्यूजीलैंड जा रहे हैं और उम्मीद है कि हम वहां अच्छा प्रदर्शन करेंगे और पाकिस्तान में न्यूजीलैंड के खिलाफ हमने जो गलतियां की हैं, हम उनसे सीख सकते हैं। और हम न्यूजीलैंड में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।'

उन्होंने कहा, 'हम सभी बहुत निराश हैं। हम सभी देश के लिए यहां हैं। पाकिस्तान हमारी प्राथमिकता है और हमसे बहुत उम्मीदें हैं। हम निराश हैं और हम स्वीकार कर रहे हैं कि हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। उम्मीद है कि हम और कड़ी मेहनत करेंगे और वापसी करेंगे।'

उन्होंने सैम अयूब और फखर जमान की चोटों को पाकिस्तान की टीम के खराब होने का कारण बताने से भी इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'वह खिलाड़ी जो पिछले कुछ महीनों से ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है... टीम संयुक्त थी और फिर अचानक जब कोई चोटिल होता है, तो टीम परेशान हो जाती है। एक कप्तान के तौर पर आप भी यही उम्मीद कर सकते हैं। एक तरफ, आप कह सकते हैं कि टीम परेशान है, लेकिन यह कोई बहाना नहीं है। हां, फखर जमान और सैम अयूब चोटिल हो गए, लेकिन हम इससे सीखेंगे।'

ग्रुप ए में पाकिस्तान बांग्लादेश के बेहतर नेट रन रेट के कारण तालिका में सबसे नीचे रहा। देश में बेंच स्ट्रेंथ की गुणवत्ता के बारे में पूछे जाने पर रिजवान ने कहा कि देश के क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक व्यावसायिकता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'यह बहुत कठिन सवाल है। पाकिस्तान में बेंच स्ट्रेंथ... मुझे पाकिस्तान कप में पांच टीमों को देखने दो। हम अलग-अलग चीजों में सुधार चाहते हैं। अगर हम सुधार करना चाहते हैं और पाकिस्तान को उच्च मानक पर रखना चाहते हैं, तो हमें जागरूकता और व्यावसायिकता की आवश्यकता है। हम चैंपियंस कप में इसे देखते हैं, लेकिन हमें और सुधार की आवश्यकता है।'

विजेंदर ने बीएफआई चुनाव शीघ्र कराने की मांग की

नई दिल्ली ।ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने कहा है कि भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के चुनाव शीघ्र कराये जाने चाहिये। विजेंदर ने ये भी कहा कि अगर अवसर मिला तो वह भी चुनाव लड़ेंगे। बीजिंग ओलंपिक 2008 में कांस्य पदक जीतने वाले विजेंदर ने कहा, ''जब भी चुनाव हों, मैं उनमें खड़ा होना चाहूंगा। मैंने पूरी जिंदगी संघर्ष किया है, यह मेरे लिए एक और लड़ाई होगी।

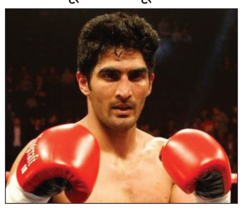

मुझे नहीं पता कि मुझे समर्थन मिलेगा या नहीं, लेकिन मैं चुनाव लड़ने से नहीं डरता।'' उन्होंने कहा, ''अगर मुझे बदलाव करने का मौका मिलता है तो मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं एक खिलाड़ी के रूप में संन्यास लेने जा रहा हूं। ऐसा मैं कभी नहीं करूंगा और पेशेवर सर्किट में उतरता रहूंगा।'' इससे पहले विजेंदर ने कहा कि भारतीय मुक्केबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना है तो उन्हें विदेश में अभ्यास का अवसर तलाशना होगा। विजेंदर ने प्रधानमंत्री कार्यालय और खेल मंत्री मनसुख मांडविया को लिखा, '' इसके लिए, हमें एक मजबूत महासंघ बनाने के लिए जल्द से जल्द नए और निष्पक्ष चुनाव कराने की जरूरत है। अगर सरकार हमें कोई जिम्मेदारी देती है तो मुझे अपने अनुभव से योगदान देने को तैयार हूं।'' इस मुक्केबाज ने ये बात भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा बीएफआई के चुनावों में देरी को देखते हुए महासंघ के कामकाज तदर्थ समिति को सौंपने को देखते हुए कही है।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से नाम वापस लिया : स्टार्क

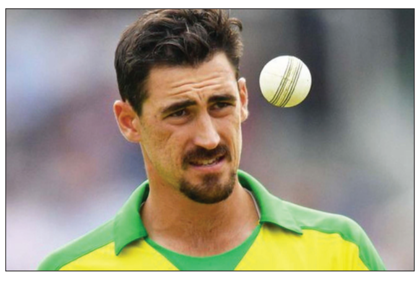

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर रहने का कारण बताया है। स्टार्क ने कहा कि जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए फिटनेस बनाये रखने के लिए उन्होंने चैम्पियंस ट्रॉफी से नाम वापस लिया है। स्टार्क को चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्रारंभिक टीम में जगह मिली थी पर जब अंतिम टीम घोषित हुई तो उसमें स्टार्क का नाम नहीं था। तब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा था कि स्टार्क ने निजी कारणों से अपना नाम वापस लिया है। वहीं अब स्वयं इस तेज गेंदबाज ने कहा है कि वह ऑस्ट्रेलिया के लिए जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए तरोताजा रहना चाहते हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा, ' 'इसके कुछ अन्य कारण भी हैं। टेस्ट सीरीज के दौरान उन्हें टखने में थोड़ा दर्द हुआ था, जिससे उबरने के लिए उन्हें समय चाहिये था। इसके अलावा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और उसके बाद वेस्टइंडीज का दौरा भी करना है। बीच में आईपीएल क्रिकेट मुकाबले भी हैं पर उनकी नजरें डब्ल्यूटीसी फाइनल पर टिकी हैं। इससे साफ है कि स्टार्क मोटी धनराशि कमाने आईपीएल में भी नजर आयेंगे।'

अफगानिस्तान को अब कभी हल्के में नहीं लिया जाएगा: जोनाथन ट्रॉट

लाहौर (एजेंसी)। मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट ने कहा कि अफगानिस्तान के चैंपियन्स ट्रॉफी में इंग्लैंड को हराकर यादगार जीत दर्ज करने के बाद उनकी टीम को कोई भी अन्य टीम हल्के में नहीं लेगी। इब्राहिम जादरान की शानदार 177 रन की पारी और तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई के पांच विकेट की बदौलत अफगानिस्तान ने बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ आठ रन से रोमांचक जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने करो या मरो के अगले मुकाबले से पूर्व ट्रॉट ने कहा कि अफगानिस्तान की टीम हाल ही में विश्व कप में इस टीम के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन से आत्मविश्वास हासिल करेगी। ट्रॉट ने इंग्लैंड के खिलाफ जीत के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''जब से मैं कोच बना हूं, हमने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन बार खेला है और हमने हर मैच में चुनौती दी है इसलिए हमें इससे बहुत आत्मविश्वास लेना चाहिए।''

उन्होंने कहा, 'और मुझे लगता है कि विश्व कप, टी20 विश्व कप में जो हुआ, मैं खिलाड़ियों से भी यही कहता हूं कि अफगानिस्तान को फिर कभी हल्के में नहीं लिया जाएगा।' ट्राट ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम जो भी मैच खेलेंगे वह प्रतिस्पर्धी होगा और हम जब भी मुकाबले में उतरेंगे तो मुझे जीत की उम्मीद होगी।'

टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले स्थापित देशों के खिलाफ अफगानिस्तान की जीत को अब उलटफेर के रूप में नहीं देखा जाता और विश्व मंच पर हाल के प्रदर्शनों का मतलब है कि कोई टीम उन्हें हल्के में लेने को जोखिम नहीं उठा सकती। ट्रॉट ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया हमें हल्के में नहीं लेने वाला है इसलिए हमें तैयार रहना होगा। अतीत में शायद लोगों ने कार्यक्रम देखा होगा और सोचा होगा कि यह बड़े टेस्ट देश के खिलाफ खेलने से थोड़ा आसान होगा। लेकिन इस प्रारूप में, इन परिस्थितियों में, मुझे ऐसा नहीं लगता।' दो मैच में दो अंक के साथ अफगानिस्तान अब भी सेमीफाइनल की दौड़ में है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत से टीम के चार अंक हो जाएंगे जो उसे शीर्ष दो में पहुंचा देगा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारिश के कारण मैच रद्द होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के दो मैच में तीन अंक हैं। अफगानिस्तान हालांकि अगर ऑस्ट्रेलिया से हार जाता है तो प्रतियोगिता से बाहर हो जाएगा।

प्रीमियर लीग : लिवरपूल ने न्यूकैसल को हराकर टॉप पर 13 अंक की बढ़त बनाईू

लिवरपूल। लिवरपूल ने बुधवार रात एंफील्ड में न्यूकैसल यूनाइटेड को 2-0 से हराकर प्रीमियर लीग में अपनी बढ़त 13 अंकों तक बढ़ा ली। डोमिनिक स्ज़ोबोस्जलाई और एलेक्सिस मैक एलिस्टर के गोल ने लिवरपूल को यह जीत दिलाई, जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद आर्सेनल नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ ड्रॉ खेलने के कारण और पिछड़ गया। बारिश के बावजूद लिवरपूल ने शानदार खेल दिखाया और जल्दी ही बढ़त बना ली। टीम के लिए इस सीजन का 100वां गोल स्ज़ोबोस्जलाई ने किया, जो उनका सातवां गोल था। मैच में दोनों टीमों ने तेज प्रसास किया और यह आक्रामक खेल के साथ जारी रहा। लिवरपूल की रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान सिमिकास ने पेनल्टी क्षेत्र के अंदर दाहिने पैर से जोरदार शॉट मारा, जो गोल के ऊपर से चला गया। जबकि न्यूकैसल के कालम विल्सन को गोल करने का बेहतरीन मौका मिला, लेकिन वह गेंद को सही दिशा में नहीं मार सके। हाफ टाइम से पहले लिवरपूल के लिए सोबोस्लाई और मोहम्मद सालाह ने भी गोल करने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में चोटों के कारण खेल कई बार रुका, लेकिन लिवरपूल ने मिले मौके का पूरा फायदा उठाया। मैक एलिस्टर ने न्यूकैसल के डिफेंस से गेंद छीनी और कुछ पास खेलने के बाद 63वें मिनट में शानदार शॉट लगाकर गोल कर दिया। इस गोल में सालाह की भी अहम भूमिका रही, जिन्होंने सही समय पर उन्हें पास दिया। लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन ने एक क्रॉस को रोककर अपनी टीम को दो गोल की बढ़त बनाए रखने में मदद की। इसके तुरंत बाद सालाह के शानदार पास पर डियाज ने एक और प्रयास किया, लेकिन गेंद गोल पोस्ट के बाहर चली गई। मैच के अंतिम पलों में सालाह का एक और शॉट न्यूकैसल के गोलकीपर पोप ने रोक लिया, लेकिन लिवरपूल ने बिना किसी मुश्किल के अपनी जीत दर्ज कर ली।

शुभमन बीमार और रोहित हुए चोटिल , न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना तय नहीं

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। उसे अब अपने अंतिम लीग मैच में 2 मार्च को न्यूजीलैंड से खेलना है। कीवी टीम भी सेमीफाइनल में आ गयी है। ऐसे में ये मैच केवल औपचारिकता है और इसके परिणाम से टूर्नामेंट पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस मैच से पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के चोटिल होने और उपकप्तान शुभमन गिल के बीमार होने की खबरें हैं। इसी कारण रोहित और शुभमन बुधवार को हुए अभ्यास सत्र में भी शमिल नहीं हुए थे। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी सहित अन्य सभी खिलाड़ियों ने अभ्यास किया। शमी ने काफी गेंदबाजी की जिससे उनके लय हासिल करने की उम्मीद है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में शमी शुरुआती तीन ओवरों के बाद मैदान से बाहर चले गये थे।

रोहित और शुभमन को लेकर टीम प्रबंधन ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। वहीं ऐसा माना जा रहा है कि रोहित अभी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं, उन्हें ये चोट पाकिस्तान के खिलाफ भारत के दूसरे लीग मैच के दौरान लगी थी। वह पाकिस्तान की पारी के दौरान कुछ समय के लिए ड्रेसिंग रूम में चले गए थे लेकिन फिर मैदान पर लौट आए। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित अभी अपनी चोट को लेकर सावधानी बरत रहे हैं जिससे कि सेमीफाइनल तक पूरी तरह से फिट हो जायें।

भारतीय टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। ऐसे में रोहित को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे लीग मैच में आराम भी दिया जा सकता है।

रणजी से संन्यास ले चुके खिलाड़ियों के लिए नई लीग की तैयारी, जून-जुलाई में खेले जाने की संभावना

नई दिल्ली । रणजी क्रिकेट से संन्यास ले चुके खिलाड़ियों के लिए फेंचाइजी आधारित एक लीग पर काम चल रहा है, जिसका मेंटोर (मर्गदर्शक) भारत के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार को नियुक्त किया गया है। टूर्नामेंट जून या जुलाई में खेले जाने की उम्मीद है। 'एपिक विक्ट्री क्रिकेट लीग (ईवीसीएल)' ' में छह फेंचाइजी टीमें भाग लेंगी और इसमें कुल 18 मैच खेले जायेंगे। प्रवीण ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा, 'मैं रणजी खिलाड़ियों के योगदान को मान्यता देने के लिए ईवीसीएल का समर्थन कर के वास्तव में खुश हूं। इन खिलाड़ियों को श्रेय देना महत्वपूर्ण है क्योंकि इन खिलाड़ियों को करियर में ज्यादा पहचान नहीं मिली है।' उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह लीग उनके लिए अपने करियर को फिर से चमकाने और कमाई करने का अवसर प्रदान करेगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि लीग के लिए खिलाड़ियों का पंजीकरण जल्द ही शुरू होगा।'

चैंपियंस ट्रॉफी में दूसरी बार खिलाड़ियों की सुरक्षा दाव पर, अफगानी खिलाड़ियों को खींचा

कराची (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में जब अफगानिस्तान के प्लेयर इंग्लैंड को हराकर मैदान पर जश्न मना रहे थे तब एक दर्शक सुरक्षा को तोड़कर अफगानी खिलाड़ियों तक जा पहुंचा। उक्त शख्स ने अफगानी खिलाड़ियों को गले लगाने की कोशिश की। हालांकि, सुरक्षाकर्मी तुरंत दौड़े और उस व्यक्ति को बाहर ले गए। लेकिन एक बार फिर से ऐसी घटना होने से क्रिकेट जगत सकते में है। यह पहली बार नहीं है जब इस टूर्नामेंट में किसी मैच के दौरान किसी आदमी ने पिच पर हमला किया हो। न्यूजीलैंड बनाम बांग्लादेश मैच के दौरान, पाकिस्तान में एक आतंकवादी समूह के एक समर्थक को पिच में दौड़ते हुए और रचिन रवींद्र को पीछे से पकड़ने की कोशिश करते देखा गया था।

तब सुरक्षा गार्ड ने उक्त व्यक्ति को पकड़ लिया था। प्रशासन ने शख्स के खिलाफ सख्त कदम उठाने का फैसला लिया था। कहा गया कि उक्त व्यक्ति पर पाकिस्तान में किसी भी क्रिकेट स्थल में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि, पीसीबी इस बात पर जोर दे रही है कि रावलपिंडी और लाहौर में पिच पर लगातार हमलों के बाद बोर्ड सभी स्थानों पर सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल अपना रहा है।

पीसीबी का कहना है कि कल हुए सुरक्षा उल्लंघन को गंभीरता से लिया है जब एक दर्शक खेल के मैदान में घुस गया। खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बयान में कहा गया है, 'इसमें शामिल व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया और आज अदालत के समक्ष पेश किया गया। इसके अलावा, उन्हें पाकिस्तान के सभी क्रिकेट स्थलों में प्रवेश पर स्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसमें शामिल व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया और आज अदालत में पेश किया गया। इसके अलावा, उन्हें पाकिस्तान के सभी क्रिकेट स्थलों में प्रवेश करने से स्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डिप्रेशन से जूझ रहे लोगों को इस तरह के खाने की होती है क्रेविंग

अवसाद से जूझ रहे लोगों को कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की लालसा हो सकती है, जिसका उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति से भी संबंध हो सकता है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। अध्ययन के मुताबिक लगातार उदास मनोदशा से ग्रस्त रहने वाले अवसाद के रोगियों को भूख भी कम लगती है लेकिन जर्मनी के बॉन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं समेत विभिन्न शोधकर्ताओं ने कहा कि गंभीर अवसाद से ग्रस्त लोगों में कभी–कभी भोजन के प्रति लालसा उत्पन्न हो जाती है।

इस अध्ययन के शोधकर्ता एवं बॉन विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल बॉन में चिकित्सा मनोविज्ञान के प्रोफेसर निल्स क्रोमर ने कहा, ''इन परिवर्तनों के कारण शरीर के वजन में भी बदलाव हो सकता है।'' साइकोलॉजिकल मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन में 117 प्रतिभागियों के समूह को शामिल किया गया – जिनमें से 54 अवसादग्रस्त जबकि 63 स्वस्थ थे।

इन लोगों को खाद्य संकेत प्रतिक्रिया कार्य पूरा करने के लिए कहा गया, जिसमें 60 खाद्य पदार्थों और 20 गैर–खाद्य पदार्थों को इस आधार पर रेटिंग दी गई कि वे उसे चाहते हैं या पसंद करते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि अवसादग्रस्त लोगों में भोजन की इच्छा कम होती है, लेकिन पसंद में कमी नहीं आती।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, '' गंभीर अवसाद से ग्रस्त रोगियों ने कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की तुलना में उच्च वसा और उच्च प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों को कम पसंद किया और कम रेटिंग दी।卐 उन्होंने यह भी पाया कि ऐसे रोगियों के बीच वसा और कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों, जैसे दूध चॉकलेट के प्रति भी अधिक लालसा थी।

नीदरलैंड के मास्ट्रिच विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर की छात्रा लिली थर्न ने कहा कि जबकि कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों की लालसा आम तौर पर अधिक भूख से संबंधित होती है, अध्ययन से पता चला है कि कार्बोहाइड्रेट की लालसा अवसाद की समग्र गंभीरता, विशेष रूप से चिंता के लक्षणों से अधिक संबंधित है।

क्या टाइप 2 डायबिटीज मरीजों के लिए दवा समान है इमली?

आज के समय में डायबिटीज और मोटापे से पीड़ित लोगों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है. ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को अपने खान–पान का बेहद ध्यान रखना पड़ता है. एक बार यदि किसी इंसान को डायबिटीज हो जाए, तो उसे अपनी जीवनशैली में कई बदलाव करने पड़ते है, इसके साथ ही उन्हें अपने आहार में भी कुछ बदलाव करने पड़ते हैं, इसके अलावा, उन्हें नियमित दवाइयों का इस्तेमाल करना भी बंद नहीं करना पड़ेगा. यही कारण है कि इस बीमारी के प्रति शुरू से ही अतिरिक्त सावधानी बरतने बेहद जरूरी है.

बहुत से लोगों के मन इस बात को लेकर संदेह रहता है कि क्या डायबिटीज मरीज इमली का सेवन कर सकते हैं. ऐसे में आज इस खबर के माध्यम से जानें कि इमली के सेवन से ब्लड शुगर का स्तर बढ़ता है या इससे कंट्रोल होता है, इस बारे में शोध क्या कहता है...

डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद या नुकसानदायक

शोध के मुताबिक, अन्य फलों की तरह इमली भी हमारे शरीर को कई लाभ प्रदान करती है. इमली में फाइबर, पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन बी, विटामिन सी और अन्य पोषक तत्वों भरपूर मात्रा में पाई जाती है. जब बात डायबिटीज मरीजों की आती है तो इमली का सेवन करना उनके लिए बेहद फायदेमंद होता है. विशेषज्ञों का कहना है कि इसके एंटी–इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं. यह शरीर में कार्बोहाइड्रेट को ऑब्जर्व होने से बचाती है.

इमली डायबिटीज रोगियों में पैनक्रियाटिक टिश्यू की क्षति को ठीक करती है. इमली में मौजूद फाइबर और हाइड्रोक्सीसिट्रिक एसिड ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं. यह विशेष रूप से टाइप–2 डायबिटीज वाले लोगों के लिए फायदेमंद है. इमली इंसुलिन के स्राव को बढ़ाती है. जर्नल ऑफ मेडिसिनल फूड में प्रकाशित 2018 के एक अध्ययन में पाया गया कि इमली का रस इंसुलिन रिलीज को बढ़ाता है और टाइप 2 डायबिटीज के रोगियों में सूजन को कम करने में मदद करता है.

इमली से मजबूत होगी रोग प्रतिरोधक क्षमता : इमली में कुछ ऐसे एसिड होते हैं जो पाचन के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. पेट दर्द या डायरिया में भी यह कारगर है. इमली के सेवन से दिल स्वस्थ रहता है. शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है, जिससे दिल की धमनियों के ब्लॉक होने का खतरा कम होता है. इमली में विटामिन सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है. मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता शरीर को कई तरह के संक्रमण से बचाने में भी मदद करती है

इमली के अन्य लाभ क्या हैं?

इमली हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन में मौजूद खनिजों को शरीर द्वारा आसानी से अवशोषित करने में मदद करती है. शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करती है.

इमली शरीर में अपच को नियंत्रित करने और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

इमली ब्यूटी केयर में भी बहुत उपयोगी है. इमली मुंहासे और दाग–धब्बे जैसी त्वचा संबंधी समस्याओं को कम करने से लेकर चेहरे की चमक बढ़ाने तक हर काम के लिए उपयोगी है.

इमली में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है. इमली खाने से शरीर में आयरन का अवशोषण बेहतर तरीके से होता है. आयरन की कमी दूर होती है.

इमली में मौजूद म्यूसिलेज, पेक्टिन और अरेबिनोज पाचन प्रक्रिया को तेज करते हैं. यह आंतों में स्वस्थ बैक्टीरिया के उत्पादन को बढ़ाता है. शोधकर्ताओं का कहना है कि इससे खास तौर पर कब्ज से राहत मिलती है.

आइब्रो बनवाने के बाद होने वाली जलन से राहत देंगे ये 3 घरेलू उपाय, अगली बार खुशी से जाएंगी पार्लर

अकसर आईब्रो बनवाने के बाद महिलाएं त्वचा पर दाने निकलने, रेडनेस, जलन और दर्द की शिकायत करती हैं। ऐसा ज्यादातर वैक्सिंग या थ्रेडिंग के दौरान त्वचा को महसूस होने वाले खिंचाव की वजह से हो सकता है। वजह चाहे कुछ भी हो लेकिन इसका असर कई घंटों तक महिलाओं के चेहरे पर बना रहता है। जिससे निजात पाने के लिए वो कई बार दवा से लेकर घरेलू उपाय तक आजमाती रहती हैं। अगर आपको भी इस तरह की समस्या हर बार आईब्रो बनवाते समय झेलनी पड़ती है तो ये घरेलू उपाय आपकी मुश्किल को दूर करके राहत पहुंचाने में आपकी मदद कर सकते हैं।

थ्रेडिंग के बाद दर्द और जलन से निजात दिलाएंगे ये उपाय

ठंडा पानी

थ्रेडिंग के बाद त्वचा में होने वाली जलन और दर्द से राहत पाने के लिए आपको सबसे पहले चेहरे को ठंडे पानी से धोना चाहिए। इसके अलावा आप प्रभावित जगह पर आइस पैक को एक कपड़े में लपेटकर 15 मिनट तक जलन वाली जगह पर लगाएं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक पहुंचाकर सूजन,जलन और लालिमा को कम करने में मदद करता है। इस उपाय को करने के लिए फ्रेश एलोवेरा जेल को त्वचा पर लगाकर थोड़ी देर मसाज करें। इसके बाद चेहरा पानी से धो लें।

खीरे का रस

खीरे का रस त्वचा को ठंडक और राहत देता है। इसमें मौजूद एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण जलन को कम करने में मदद करते हैं। इस उपाय को करने के लिए खीरे के टुकड़े काटकर प्रभावित जगह पर रगड़ें या फिर खीरे का रस निकालकर त्वचा पर 15 मिनट के लिए लगाएं। तय समय बाद चेहरा पानी से अच्छी तरह धो लें।

गुलाब जल

गुलाब जल भी त्वचा की जलन को शांत करने में फायदेमंद हो सकता है। गुलाब जल के इस उपाय को करने के लिए रूई में गुलाब जल डालकर प्रभावित क्षेत्र पर कुछ देर लगाकर रखें। थोड़ी देर बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

एंटी-एजिंग प्रोडक्ट्स यूज करने की क्या है सही उम्र, जानिए किन बातों का रखना चाहिए ख्याल

हेल्दी और ग्लोइंग त्वचा के लिए मौसम और उम्र के साथ स्किन केयर में बदलाव करना बहुत जरूरी है। हर उम्र में स्किन की जरूरत अलग–अलग हो सकती है। वैसे तो स्किन केयर में शामिल करने के लिए आपको कई प्रोडक्ट मार्केट में आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन अगर आप उम्र और स्किन टाइप के मुताबिक उन्हें नहीं चुनेंगे तो उनके इस्तेमाल से आपको कोई फर्क नहीं दिखेगा। बात जब एंटी एजिंग प्रोडक्ट्स को इस्तेमाल करने की होती है तो अधिकतर लोग कंफ्यूजन में रहते हैं कि आखिर इन प्रोडक्ट का इस्तेमाल किस उम्र से करें। अगर आपको भी ये कंफ्यूजन है तो जानिए एंटी एजिंग प्रोडक्ट यूज करने की सही उम्र और इस्तेमाल करते समय किन बातों को ध्यान में रखें।

क्या है एंटी एजिंग प्रोडक्ट यूज करने की सही उम्र?

एक्सपर्ट के मुताबिक एंटी–एजिंग प्रोडक्ट का इस्तेमाल शुरू करने की सही उम्र 25 के बाद या 30 की शुरुआत तक है। क्योंकि यह वह समय है जब त्वचा का प्राकृतिक कोलेजन उत्पादन स्लो होने लगता है और उम्र बढ़ने के पहले लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ऐसे में एक सही एंटी एजिंग क्रीम आपकी कई स्किन प्रॉब्लम को सॉल्व कर सकती है।

किन बातों का रखें ध्यान

1) किसी भी एंटी एजिंग प्रोडक्ट खरीदने से पहले अपनी स्किन टाइप को जानें और उसी के मुताबिक प्रोडक्ट को चुनें।

2) एंटी एजिंग क्रीम सही उम्र में लगाना शुरू कर देना चाहिए। तभी ये प्रोडक्ट समय से पहले आने वाले एजिंग साइन को रोकने में मदद करेंगे।

3) भले ही आपको चेहरे पर झुर्रियां दिखाई न दें, फिर भी एक उम्र के बाद एंटी एजिंग प्रोडक्ट लगाना शुरू कर देना चाहिए। ऐसा करके आने वाले समय में एजिंग के लक्षणों को रोकने में मदद मिल सकती है।

4) कम उम्र में एंटी–एजिंग प्रोडक्ट एजिंग साइन के लक्षणों को उलटने के बजाय झुर्रियों को रोकने और त्वचा की लोच बनाए रखने में मदद करते हैं।

आमलेट या उबले अंडे? स्वास्थ्य के लिए क्या है बेहतर?

अंडा एक संपूर्ण भोजन है. कई लोग नाश्ते में अंडे खाना पसंद करते हैं. अंडे खाना स्वास्थ्यवर्धक है. इसमें प्रोटीन, 9 प्रकार के आवश्यक अमीनो एसिड, आयरन, विटामिन बी, डी और अन्य पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं. नियमित रूप से अंडे खाना स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है. लेकिन कुछ लोगों को ऑमलेट खाना पसंद है. वे नाश्ते में ऑमलेट खाते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि उबले अंडे में ऑमलेट की तुलना में अधिक पोषक तत्व होते हैं?

उबले अंडे : वेबएमडी के अनुसार, उबले अंडे खाना स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है. संयुक्त राज्य अमेरिका के कृषि विभाग के अनुसार, एक उबले अंडे में छह ग्राम उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन होता है. यह मांसपेशियों की वृद्धि के लिए बहुत उपयोगी है. इसमें आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक के साथ–साथ विटामिन ए, विटामिन डी और विटामिन बी 12 भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है. इनमें एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं.

उबले अंडे में कैलोरी कम और प्रोटीन तथा अन्य पोषक तत्व अधिक होते हैं. जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए यह एक अच्छा विकल्प हो सकता है. अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, प्रतिदिन एक उबला अंडा खाने से वजन नियंत्रण में मदद मिलती है.

मस्तिष्क स्वास्थ्य : उबले अंडे मस्तिष्क स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं. अंडे में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला पोषक तत्व कोलीन मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए बहुत उपयोगी है. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की एक टीम द्वारा किए गए शोध में यह बात सामने आई है। इसके अलावा, उबले अंडे कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं.

ऑमलेट : ऑमलेट अंडे से बना एक स्वादिष्ट व्यंजन है. कई लोग ऑमलेट बनाने के लिए उसमें हरी मिर्च, हल्दी, प्याज और अन्य सब्जियां मिलाते हैं. कुछ लोग इसमें पनीर भी मिलाते हैं. इन सभी सामग्रियों को मिलाने से इसका स्वाद बढ़ जाता है. इसमें विटामिन, खनिज और फाइबर भी प्रचुर मात्रा में होता है. तेल और पनीर जैसी चीजें खाने से कैलोरी बढ़ जाती है. शरीर में अनहेल्दी फैट जमा हो सकती है. विशेषज्ञों का कहना है कि बहुत अधिक कैलोरी का सेवन कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है.

स्वास्थ्य के लिए कौन सा बेहतर है?

स्वास्थ्य के लिए अच्छा : उबले अंडे में सभी पोषक तत्व होते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि उबले अंडे ऑमलेट की तुलना में अधिक स्वास्थ्यवर्धक होते हैं.

अधिक स्वादिष्ट : एक ऑमलेट उबले अंडे से अधिक स्वादिष्ट होता है.

पौष्टिक तत्व : ऑमलेट में सब्जियां डालने से उसका पौष्टिक मूल्य बढ़ जाता है. लेकिन इसमें कैलोरी अधिक होती है.

उबले अंडे या ऑमलेट खाने के फायदे व्यक्ति के शरीर की जरूरतों पर निर्भर करते हैं. जो लोग वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए उबले अंडे खाना अच्छा है. विशेषज्ञों का कहना है कि ऑमलेट उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो समान पोषक तत्व अधिक मात्रा में प्राप्त करना चाहते हैं.

उबले अंडे खाने के फायदे

वजन घटाने के लिए फायदेमंद

पाचन संबंधी समस्याओं का सही समाधान

हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा

मस्तिष्क के कार्य के लिए लाभदायक

मांसपेशियों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

ऑमलेट खाने के फायदे

स्वस्थ वसा प्राप्त होती है

फायबरसमृद्ध पोष्टिक पदार्थ

पालक से भरा ऑमलेट शरीर में आयरन बढ़ाता है

ढेर सारी सब्जियों से बने ऑमलेट विटामिन सी का अच्छा स्रोत हैं

रूठे शशि थरूर मानेंगे या बड़ा निर्णय लेंगे..? आज की बैठक में हो जाएगा फैसला

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चाओं के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, मैं शुक्रवार को पार्टी की बैठक में जाऊंगा। देखते हैं, क्या होता है। पिछले दिनों एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में दिए गए उनके बयान ने और आग में घी डालने का काम किया। उन्होंने कहा था, अगर पार्टी मुझे चाहती है, तो मैं रहूंगा। अगर नहीं, तो मेरे पास और भी विकल्प हैं। आपको ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि मेरे पास कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

इन तमाम घटनाक्रम के बाद शशि थरूर की स्थिति अभी भी असमंजस में है। पार्टी में उनके बढ़ते आलोचक चाहते हैं कि वे ज्यादा अनुशासित रहें, जबकि उनके समर्थक उन्हें केरल कांग्रेस में बड़ा चेहरा मानते हैं। अब सबकी नजरें 28 फरवरी की बैठक पर टिकी हैं, जहां तय होगा कि थरूर कांग्रेस के साथ बने रहेंगे या अपने विकल्प को आजमाएंगे। केरल कांग्रेस में अंदरूनी घमासान के बीच कांग्रेस के कद्दावर नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर शुक्रवार को पार्टी हाईकमान की बैठक में शामिल होंगे। कांग्रेस आलाकमान ने यह बैठक दिल्ली में 28 फरवरी को बुलाई है, जिसमें केरल के वरिष्ठ नेताओं को भी बुलाया गया है। इस बैठक का मकसद राज्य इकाई में बढ़ती नाराजगी और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों पर चर्चा करना है। गौरतलब है कि यह बैठक ऐसे वक्त पर हो रही है जब थरूर के हालिया बयानों ने कांग्रेस खेमे में हलचल बढ़ा दी है। उनके मेरे पास और भी विकल्प हैं वाले बयान ने थरूर के पार्टी छोड़ने क अटकलों को तेज कर दिया।

थरूर की हालिया गतिविधियों को लेकर केरल कांग्रेस का एक धड़ा खासा नाराज बताया जा रहा है। पिछले दिनों जब उन्होंने केरल सरकार की स्टार्टअप पॉलिसी की तारीफ की थी, तो राज्य कांग्रेस ने इसे पूरी तरह खारिज कर दिया था। इस बयान के बाद उन्होंने राहुल गांधी और सोनिया गांधी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी। दिल्ली में अपनी बैठकों के बाद थरूर ने इस विवाद को तूल न देने की अपील की। उन्होंने कहा, राहुल गांधी से मेरी अच्छी बातचीत हुई।

मैंने राहुल और प्रियंका की ओर से कुंभ में लगाई डूबकी : अजय राय

लखनऊ ।महाशिवरात्रि के मौके पर महाकुंभ का समापन हुआ।महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। इसमें आम लोगों से लेकर खास लोग भी शामिल थे। लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा का संगम में डुबकी नहीं लगाना चर्चा में बना हुआ है।इस बीच उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। राहुल और प्रियंका गांधी वाड्रा के महाकुंभ में स्नान नहीं करने के सवाल पर यूपी में कांग्रेस नेता राय ने कहा कि आस्था का पर्व समाप्त हो चुका है।तीर्थों के इस तीर्थ का समापन हुआ है।जो लोग यहां आएं, उनका सम्मान है। लेकिन ये आस्था का मामला है। कांग्रेस नेता अजय राय ने कहा कि मैंने खुद कुंभ पहुंचकर स्नान कर आशीर्वाद लिया था। मैं गांधी परिवार से ओर से वहां गया था। मैंने कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर डुबकी लगाई थी।देश की मंगलकामना की प्रार्थना की थी।

कंगना रनौत की अधिवक्ता ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए मांगा समय, अब 18 मार्च को सुनवाई

आगरा। हिमाचल प्रदेश के मंडी क्षेत्र से भाजपा सांसद और फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ राष्ट्रद्रोह वाद में बृहस्पतिवार को एमपी-एमएलए अनुज कुमार की कोर्ट में सुनवाई हुई। कंगना की तरफ से उनकी अधिवक्ता हाजिर हुईं। उन्होंने वकालत नामा पेश कर जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से समय की मांग की। पिछली तारीख पर थानाध्यक्ष न्यू आगरा ने वादी और गवाहों के बयान दर्ज कर आख्या पेश की थी। 18 मार्च को अगली सुनवाई होगी। राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने कंगना रनौत के खिलाफ 11 सितंबर 2024 को वाद दायर किया था। उन्होंने देश के किसानों पर अभद्र टिप्पणी और क्रांतिकारी शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के अपमान का आरोप लगाया था।अदालत ने कंगना रनौत को पक्ष रखने के लिए उनके हिमाचल प्रदेश स्थित कुल्लू मनाली और दिल्ली के पते पर तीन नोटिस भेजे थे। इसके बाद बृहस्पतिवार को हाई कोर्ट की अधिवक्ता उनकी तरफ से अदालत में हाजिर हुई।उन्होंने अपना बड़ा कालतनामा पेश कर जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से समय की मांग की थी।

नजफगढ़ का नाम बदलकर नाहरगढ़ करने की दिल्ली विधानसभा में उठी मांग

नई दिल्ली । दिल्ली में नजफगढ़ का नाम बदलकर नाहरगढ़ करने की मांग शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायक नीलम पहलवान ने उठा दी। विधायक नीलम ने कहा कि 1857 के विद्रोह के दौरान, राजा नाहर सिंह ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी और नजफगढ़ क्षेत्र को दिल्ली के क्षेत्र में शामिल कर लिया। उनकी मांग पर साथी विधायकों ने अपना समर्थन भी दिखाया। दिल्ली में बीजेपी नेताओं के बीच इलाकों का नाम बदलने की मांग जोर पकड़ रही है। मुस्तफाबाद निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल करने के बाद, वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह बिष्ट ने घोषणा की कि आधिकारिक तौर पर पदभार संभालने के बाद वे मुस्तफाबाद का नाम बदलकर शिव पुरी या शिव विहार कर दूंगा। मैंने यह पहले भी कहा है। मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं कि राजनीतिक दल मुस्तफाबाद नाम बरकरार रखने पर क्यों अड़े हुए हैं। मुख्य रूप से हिंदू आबादी वाले क्षेत्र का नाम शिव पुरी या शिव विहार क्यों नहीं रख सकते ? लोग मुस्तफा नाम से परेशान हैं और इस नाम को बदलना चाहते हैं, मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि ऐसा हो। वहीं, दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) आतिशी ने गुरुवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों को सदन की कार्यवाही से तीन दिनों के लिए निलंबित करने के बाद उन्हें परिसर में प्रवेश करने से रोका जा रहा है।आतिशी ने कहा कि भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) वालों ने सरकार में आते ही''तानाशाही की हदें पार कर दीं।''

पुणे में सरकारी बस डिपो रेप मामले में आरोपी पर इनाम 1 लाख रुपये किया गया

पुणे ।पुणे के सरकारी बस डिपो में 25 फरवरी को एक 26 साल की एक महिला के साथ बस के अंदर रेप हुआ।मामले में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए महाराष्ट्र पुलिस ने 13 टीमें बनाई हैं।उस पर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया है।उधर, घटना के बाद महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने असिस्टेंट ट्रांसपोर्ट सुपरिटेंडेंट और बस डिपो मैनेजर के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दे दिए हैं।उन्होंने कहा कि दोषी होने पर इन्हें सस्पेंड किया जाएगा।उन्होंने बस डिपो पर तैनात पुराने सुरक्षाकर्मियों को हटाने का भी निर्देश दिया। जांच में जुटी 13 टीमों को जिले से बाहर भी भेजा गया है।राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकनकर ने घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

मुंबई पुलिस ने की 10 करोड़ रुपए कीमत की दवाइयां नष्ट

मुंबई।महाराष्ट्र के नवी मुंबई में पुलिस ने 40 मामलों में 10 करोड़ रुपए कीमत की दवाइयों को नष्ट कर दिया है।मीडिया रिपोर्ट में नवी मुंबई के पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तलोजा स्थित एक प्रतिष्ठान में महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाइक और विधायक प्रशांत ठाकुर की उपस्थिति में इन दवाइयों को नष्ट किया गया।पुलिस ने बताया कि साल 2023 और 2024 में 1,143 मामलों के संबंध में 56 करोड़ रुपए कीमत की दवाइयां जब्त की गई थीं और 1,743 लोगों को गिरफ्तार किया था।गिरफ्तार किए गए लोगों में 111 अफ्रीकी देशों के थे, जिनके पास से 38 करोड़ रुपए मूल्य की कई दवाइयां जब्त की गई थीं।40 मामलों में करीब 10 करोड़ रुपए कीमत के अवैध पदार्थ को नष्ट कर दिया गया है।

दिल्ली पुलिस ने रोहिणी से गोगी-लाकड़ा गिरोह के शार्पशूटर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली।दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने रोहिणी इलाके से गोगी-अंकेश लाकड़ा गिरोह के 23 वर्षीय शार्पशूटर को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान विशाल लाकड़ा के रूप में हुई है जो अंकेश लाकड़ा का करीबी सहयोगी है।अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सतीश कुमार ने बताया कि पुलिस ने 25 फरवरी को रोहिणी से विशाल को गिरफ्तार किया और उसके पास से एक पिस्तौल और दो कारतूस जब्त किए।डीसीपी ने कहा, 'आरोपी पर शस्त्र कानून की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि उसके घर पर एक और एक पिस्तौल और कारतूस रखे हुए हैं, जिसके बाद पुलिस ने एक पिस्तौल और दो और कारतूस बरामद किए।' अधिकारी के मुताबिक, विशाल ने गोगी-लाकड़ा गिरोह का सक्रिय सदस्य होने की बात भी स्वीकार की और बताया कि वह और अंकेश लाकड़ा दोनों मूल रूप से दिल्ली के मुंडका गांव के रहने वाले हैं।विशाल को पहले भी दो बार जेल हो चुकी है।

ममता ने अलापा केजरीवाल वाला राग, बंगाल में भाजपा फर्जी वोटरों के नाम जुड़वा रही

-चुनाव आयोग पर हमलावर दिखाई दीं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी चुनाव आयोग पर हमलावार दिखाई दी। उन्होंने गुरुवार को कहा कि चुनाव आयोग को मोदी सरकार ने अपने प्रभाव में रखा है। ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल में भाजपा की ओर से फर्जी वोटरों का नाम जुड़वाया जा रहा है। उनके नाम इसलिए जोड़ रहे हैं ताकि चुनाव के दौरान उनके वोटों से नतीजे को बदला सके। इसके साथ ही ममता बनर्जी ने पिछले दिनों हुए कई राज्यों के चुनावों के नतीजों में भी धांधली का आरोप लगाया। ममता ने कहा कि हम उन फर्जी मतदाताओं की पहचान करने वाले हैं, जिन्हें भाजपा की मदद से पंजीकृत किया है। दरअसल आप प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान बाहरी वोटरों के नाम जुड़वाने का आरोप लगाया था। हालांकि आयोग ने इस संबंध में केजरीवाल से सबूत मांगते हुए आरोपों को खारिज कर दिया था।

ममता ने कहा, अगर जरूरत हुई तब मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं को हटाने की मांग को लेकर निर्वाचन आयोग कार्यालय के समक्ष धरना दूंगी। उन्होंने चुनावी जंग को बाहरी बनाम बंगाली बनाने का भी प्रयास किया।

ममता ने कहा कि हम बाहरी लोगों को बंगाल पर कब्जा नहीं करने देने वाले है। ज्ञानेश कुमार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त करने पर ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा निर्वाचन आयोग को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। अभी से ही बंगाल में फर्जी वोटर जोड़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक निर्वाचन आयोग निष्पक्ष नहीं होगा, तब तक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। ममता दीदी ने कहा था कि दिल्ली में कांग्रेस जीतने की स्थिति में नहीं है। वहां भाजपा का मुकाबला आम आदमी पार्टी से ही है और हम चाहते हैं कि उसे ही जीत मिले।

हरियाणा में कांग्रेस की बड़ी कार्रवाई, पूर्व विधायक रामबीर सिंह समेत 5 नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में कांग्रेस इकाई ने गुरुवार को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पांच नेताओं को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान द्वारा जारी पार्टी आदेश में कहा गया है कि नगर निगम चुनाव (2025) की चल रही प्रक्रिया के दौरान हाल के दिनों में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले पार्टी नेताओं/कार्यकर्ताओं से संबंधित संचार के विभिन्न माध्यमों से रिपोर्ट प्राप्त होने के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित व्यक्तियों को तत्काल प्रभाव से 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया जाता है।

जिन लोगों को निष्कासित किया गया है उनमें पूर्व विधायक रामबीर सिंह भी शामिल हैं। चार अन्य नेता विजय कौशिक, राहुल चौधरी, पूजा रानी और रूपेश मलिक हैं। इसमें कहा गया कि यह आदेश हरियाणा में पार्टी मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद के परामर्श से जारी किया गया था। 19 फरवरी को, हरियाणा कांग्रेस ने अगले महीने होने वाले नागरिक चुनावों से पहले 'पार्टी विरोधी' गतिविधियों के लिए अपने सात नेताओं को निष्कासित कर दिया।

निष्कासित लोगों में करनाल के पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्ष तरलोचन सिंह और अशोक खुराना, यमुनानगर के पार्टी नेता प्रदीप चौधरी और मधु चौधरी, हिसार के वरिष्ठ नेता राम निवास रारा, गुरुग्राम के पार्टी नेता हरविंदर और पीसीसी प्रतिनिधि, गुरुग्राम, राम किशन सैन शामिल हैं। रारा और सिंह हाल ही में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हुए थे। रारा ने पिछला विधानसभा चुनाव असफल रूप से लड़ा था जबकि सिंह 2019 के विधानसभा चुनाव में करनाल विधानसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से हार गए थे। मई 2024 में इस सीट पर हुए विधानसभा उपचुनाव में वह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से हार गए।

कुंभ जल विवाद पर बोले श्री श्री रविशंकर, कहा- गंगा बैक्टीरिया को पनपने नहीं देती

आध्यात्मिक नेता श्री श्री रविशंकर ने कहा कि लोगों की भक्ति के कारण ही करोड़ों लोग महाकुंभ में आए, जिसका समापन बुधवार को हुआ।उन्होंने कहा कि यह भारत की समृद्ध विविधता और आध्यात्मिक संपदा को दर्शाता है। इंडिया टुडे के राजदीप सरदेसाई के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, रविशंकर ने प्रयागराज में पानी में पाए गए उच्च फेकल कोलीफॉर्म के विवाद पर भी बात की।उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों ने पाया है कि गंगा दुनिया के सबसे मजबूत जल निकायों में से एक है।आर्ट्स ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक रविशंकर ने कहा, 'मुझे केवल तीन चीजें दिखाई देती हैं जो करोड़ों भक्तों को प्रेरित करती हैं - आस्था, आस्था और आस्था।यह लोगों की भक्ति है जो उन्हें प्रेरित करती है।यह त्योहार भारत के मानस में गहराई से समाया हुआ है।' 12 वर्षों के बाद आयोजित होने वाला दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समागम माने जाने वाला महाकुंभ बुधवार को संपन्न हो गया, जिसमें 13 जनवरी से अब तक 67 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र स्नान कर चुके हैं।

भाजपा की घेराबंदी में घिरे अजित और शिंदे, महायुति में रहें तो फजीहत निकलें तो मुसीबत!

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं है। यहां भाजपा, एनसीपी(अजित) और शिंदे की शिवसेना मिलकर सरकार चल रहे हैं। देखने सुनने में बहुत आसान लगता है कि भाजपा का सीएम दोनों के दलों के सहयोगी उपमुख्यमंत्री है। किसी को क्या दिक्कत हो सकती है। सही मायने में दिक्कत है। यहां एकनाथ शिंदे और अजित पवार के बीच बहुत अच्छी पटरी नहीं बैठती और देवेंद्र फडणवीस सीएम रहते हुए भी खुद को बंधा बंधा महसूस कर रहे हैं। बता दें कि महाराष्ट्र में हाल में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा के गठबंधन महायुति ने भारी जीत दर्ज करते हुए 288 सदस्यीय विधानसभा में 234 सीट जीती थी।

महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की भारी जीत के बाद विपक्ष के हौसले पस्त हो गए थे। मुख्यमंत्री बने भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने सरकार के दोनों सहयोगी दलों शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) को साध के रखा हुआ है। हालांकि, शिवसेना शिंदे के नेता और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ सामंजस्य की कमी कई बार सामने आई है। इसका दोनों तरफ से खंडन तो किया गया है, लेकिन मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद शिंदे सहज नहीं दिख रहे हैं। ऐसे में शरद पवार और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के साथ उभर रहे नए समीकरण शिंदे के लिए और चिंता बढ़ा सकते हैं। महाराष्ट्र में स्थानीय निकायों में महायुति को बड़ी जीत दिलाने के लिए फडणवीस कड़े कदम उठा रहे हैं, जिनमें मंत्रियों के निजी सहायकों की नियुक्ति का मामला अहम है। शिंदे गुट के कई मंत्रियों के निजी सहायकों के लिए आए विवादित नामों को फडणवीस ने रोक दिया है। इस काम की सामना में तारीफ की गई है। संजय राउत ने सामना में इस पर एकनाथ शिंदे पर निशाना भी साधा है।सूत्रों का कहना है शिवसेना (उद्धव ठाकरे) का एक तबका भाजपा के साथ आने की कोशिश में है और वह इसके लिए शिंदे गुट को भड़काने का काम कर रहा है। फिलहाल, भाजपा भी इससे शिंदे को संदेश देकर समीकरण साध रही है।

महाराष्ट्र की राजनीति में उभर रहे नए समीकरणों से राज्य में बड़े बदलाव आने के संकेत मिलने लगे हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना में संजय राउत की मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ और एनसीपी (शरद पवार) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल की भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बाबनकुले से हुई मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। इसके पहले हाल में ही एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शरद पवार का करीब आना भी काफी महत्वपूर्ण है।

क्या शरद पवार भी कमजोर पड़ रहे

एनसीपी (शरद पवार) के नेता शरद पवार के साथ प्रधानमंत्री मोदी का बेहद सदाशयता भरा व्यवहार और उसके बाद उसके प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल की भाजपा अध्यक्ष बाबनकुले के साथ मुलाकात के भी राजनीतिक मायने हैं। इससे भाजपा कांग्रेस को झटका देने के साथ महाविकास आघाड़ी को आगामी निकाय चुनाव में और कमजोर करने में जुटा है। शरद पवार भी राज्य की राजनीति में कमजोर पड़ रहे हैं। ऐसे में उनको भी नए फैसले लेने पड़ सकते हैं।

हिंदी ने उत्तर भारत की 25 से ज्यादा भाषाओं को खत्म किया, अब तमिल को खत्म करने की तैयारी

सीएम एमके स्टालिन ने केंद्र की नई शिक्षा नीति का किया विरोध

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में हिंदी बनाम तमिल की जंग छेड़ने वाले सीएम एमके स्टालिन लगातार आक्रामक रुख दिखा रहे हैं। उन्होंने फिर कहा हैं कि हम हिंदी को तमिलनाडु पर थोपने का विरोध करने वाले है। उन्होंने कहा कि हिंदी के चलते उत्तर भारत की 25 से ज्यादा भाषाओं को खत्म किया गया। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु हिंदी भाषा को 'थोपने' की इजाजत नहीं देगा और उन्होंने तमिलों एवं इसकी संस्कृति की रक्षा करने का संकल्प जताया। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित उन्होंने कहा, 'हम हिंदी थोपने का विरोध करने वाले है। हिंदी मुखौटा है, संस्कृत छिपा हुआ चेहरा है।' डीएमके ने आरोप लगाया है कि केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में तीन-भाषा फार्मूले के माध्यम से हिंदी को थोपने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने सीएम स्टालिन के आरोप का खंडन किया है।

सीएम स्टालिन ने दावा किया कि बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बोली जाने वाली मैथिली, ब्रजभाषा, बुंदेलखंडी और अवधी जैसी कई उत्तर भारतीय भाषाओं को 'आधिपत्यवादी हिंदी ने नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु एनईपी का विरोध कर रहा है क्योंकि केंद्र शिक्षा नीति के माध्यम से हिंदी और संस्कृत को थोपने की कोशिश कर रहा है।

एनईपी के अनुसार तीसरी भाषा विदेशी भी हो सकती है। भाजपा के दावे का जवाब देकर स्टालिन ने दावा किया कि त्रिभाषा नीति कार्यक्रम के अनुसार, ''कई राज्यों में केवल संस्कृत को बढ़ावा दिया जा रहा है।' उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राजस्थान उर्दू प्रशिक्षकों के बजाय संस्कृत शिक्षकों की नियुक्ति कर रहा है। उन्होंने कहा, अगर तमिलनाडु त्रिभाषा नीति को स्वीकार करता है, तब मातृभाषा को नजरअंदाज कर दिया जाएगा और भविष्य में संस्कृतीकरण होगा। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, 'इससे यह स्पष्ट होता है कि केंद्र ने तमिल जैसी भाषाओं को खत्म करने और संस्कृत को थोपने की योजना बनाई है।' स्टालिन ने कहा कि द्रविड़ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई ने दशकों पहले राज्य में द्विभाषा नीति लागू की थी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि 'हिंदी-संस्कृत के माध्यम से आर्य संस्कृति को थोपने और तमिल संस्कृति को नष्ट करने के लिए कोई जगह नहीं है।'

भारत में 14 करोड़ लोगों का आर्थिक विकास, 100 करोड़ गरीबी में

-देश के 90 फीसदी लोगों के पास बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पैसा नहीं

-रिपोर्ट देश की आर्थिक असमानता को दिखाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में 5वें पायदान पर है और विकास दर की रफ्तार सबसे तेज है, लेकिन इसके बाद भी आम आदमी के जीवन में कुछ नहीं बदला है। हाल में जारी रिपोर्ट बताती है कि देश के 90 फीसदी लोगों के पास अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने से ज्यादा पैसे ही नहीं हैं। इस तरह के लोग अतिरिक्त खर्चे के बारे में सोच भी नहीं सकते। यह रिपोर्ट देश की आर्थिक असमानता को दिखाती है। एक अध्ययन में बताया गया है कि करीब देश की 90 प्रतिशत आबादी के पास जरूरत से ज्यादा कपड़े खरीदने या अन्य किसी सर्विस का फायदा उठाने की शक्ति नहीं है। रिपोर्ट 2025 में बताया गया है कि भारत की शीर्ष 10 प्रतिशत आबादी जो करीब 13-14 करोड़ है और मैक्सिको की पूरी आबादी के बराबर है। इस आबादी के पास अपनी आर्थिक उपलब्धियों और खर्चे के लिए बहुत पैसे हैं, जबकि 90 फीसदी लोग जरूरत की चीजों में ही उलझकर रह जाते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया हैं कि एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में यह उपभोक्ता वर्ग आकार में नहीं बढ़ रहा है, बल्कि अधिक संपन्न हो रहा है। इसका मतलब है कि अमीर और अमीर हो रहे हैं, जबकि कुल अमीर व्यक्तियों की संख्या स्थिर बनी हुई है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि हालिया खपत में गिरावट तेज आई है, जो न केवल खरीदने की ताकत में कमी के कारण है, बल्कि वित्तीय बचत में भारी गिरावट और बड़े पैमाने पर कर्ज में वृद्धि की वजह से भी है। खपत के इस पैटर्न ने भारत की बाजार रणनीति को नया आकार दिया है। इसमें ब्रांड अब बड़े पैमाने पर उत्पादों के बजाय प्रीमियम प्रोडक?ट पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। रिपोर्ट में रियल एस्टेट सेक्टर में भी बदलाव का जिक्र है, जहां अब किफायती आवास का हिस्सा बाजार में केवल 18 फीसदी है, जो पांच साल पहले 40 फीसदी था।

बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 12 लाख रुपये तक की आय वालों को टैक?स में पूरी छूट दे दी है। इससे मध्यम वर्ग की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी। छूट से करीब 92 फीसदी वेतनभोगी को टैक्स के दायरे से बाहर कर दिया गया है। साल 1990 में भारत के शीर्ष 10 फीसदी लोगों के पास राष्ट्रीय आय का 34 प्रतिशत हिस्सा था, जो 2025 तक बढ़कर 57.7 फीसदी हो गया। इसके विपरीत निचले 50 फीसदी लोगों का राष्ट्रीय आय में हिस्सा 22.2 फीसदी से घटकर 15 फीसदी रह गया।

यह रिपोर्ट साफ बताती है कि खर्च करने के मामले में अभी भारत अपने पड़ोसी चीन से करीब 13 साल पीछे है। भले ही हाल के दिनों में भारत की खपत प्रभावशाली हुई है, लेकिन अभी भी चीन से कम से कम 13 साल पीछे है।

संक्षिप्त समाचार

सीरिया में नए शासकों ने लंबे समय बाद शुरू किया राष्ट्रीय संवाद

डमस्कस, एजेंसी। सीरिया के नए शासकों ने मंगलवार को राष्ट्रपति बशर अल-असद के पतन और करीब 14 साल की गृहयुद्ध के बाद देश में लंबे समय से प्रतीक्षित राष्ट्रीय संवाद का आयोजन किया। दमिश्क के राष्ट्रपति महल में आयोजित इस बैठक में सीरिया के विभिन्न हिस्सों से करीब 600 लोगों को आमंत्रित किया गया। इस सभा की मेज़बानी नए शासकों ने की, जो इस्लामिक समूह हयात तहरीर अल-शाम द्वारा नेतृत्व किए गए थे। इस समूह ने दिसंबर में असद को सत्ता से बाहर करने के लिए आक्रमण की अगुवाई की थी। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को उत्तरी मध्य अफ्रीकी गणराज्य के नज़ोरोह गांव में हुए हमले में नौ लोगों की मौत हो गई और 700 से अधिक घर जलकर खाक हो गए। आत्मरक्षा मिलिशिया 3ऋके विद्रोहियों ने कहा कि यह हमला बैलों की चोरी के विवाद के कारण किया गया। 3ऋके एक नेता हबीब याकूब ने कहा कि उनकी प्राथमिकता हाशिए पर पड़े चरवाहों की सुरक्षा करना है। लेकिन नज़ोरोह के मेयर बर्टेंड औडिन डिमांचे ने बताया कि उन्हें हमले का कारण नहीं पता चला। उन्होंने कहा कि 3ऋके विद्रोहियों को मानव जीवन का कोई सम्मान नहीं है और वे राजनीतिक कारणों से हत्या करते हैं। केंद्र सरकार ने इस हमले को लेकर चिंता जताई है और प्रतिक्रिया में एक बयान जारी करने का वादा किया है। इस हमले के बाद कई लोग पास के गांवों में भाग गए, जबकि कुछ लोग बड़े शहरों में शरण लेने गए हैं। मध्य अफ्रीकी गणराज्य 2013 से गृहयुद्ध की चपेट में है, और 2019 में शांति समझौते के बावजूद हिंसा कम नहीं हुई है।

शिकागो में टला बड़ा हादसा, विमान की लैंडिंग के दौरान रनवे पर आया दूसरा प्लेन

शिकागो, एजेंसी। शिकागो के मिडवे एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश कर रहे साउथवेस्ट एयरलाइंस के विमान को अचानक उड़ान भरनी पड़ी, जब रनवे पर एक दूसरा विमान आ गया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किए गए एयरपोर्ट वेबकैम वीडियो में दिखाया गया है कि साउथवेस्ट विमान मंगलवार को सुबह 8.50 बजे सीएसटी पर उतर ही रहा होता है कि, जमीन छूने के बाद उड़ान भरने लगता है। क्योंकि दूसरा विमान रनवे पर दिखाई देता है। वहीं इसके बाद के घटना की जानकारी साझा करते हुए साउथवेस्ट एयरलाइन के प्रवक्ता ने एक कहा कि साउथवेस्ट फ्लाइट 2504 सुरक्षित रूप से उतरी, चालक दल ने रनवे में प्रवेश करने वाले दूसरे विमान के साथ संभावित टकराव से बचने के लिए एहतियाती तौर पर चक्कर लगाया। चालक दल ने सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया और विमान बिना किसी घटना के उतरा। इस घटना के दौरान फ्लाइट क्रू और एयर ट्रैफिक कंट्रोल के बीच बातचीत में यह सुनाई दिया कि कंट्रोलर ने पायलट से कहा, साउथवेस्ट 2504, गो-अराउंड और फ्लाइट को 3,000 फीट तक चढ़ने के निर्देश दिए गए। वहीं दूसरे विमान को बिना अनुमति के रनवे पर घुसने के लिए दोषी ठहराया गया है और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन इस मामले की जांच कर रहा है। वहीं इस विमान के मालिक, फ्लेक्सजेट, ने इस घटना के बारे में जानकारी दी और कहा कि वे उच्चतम सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं और इस मामले की जांच कर रहे हैं। दूसरे विमान के गलत तरीके से रनवे पर घुसने की वजह से यह घटना घटी।

इंडोनेशिया में आया 6.1 तीव्रता का भूकंप

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के भूगर्भीय सर्वे विभाग ने कहा है कि इंडोनेशिया के सुलावेसी प्रांत में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटकों की तीव्रता 6.1 रही। भूकंप का केंद्र जमीन के 10 किलोमीटर भीतर था। भूकंप में किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। साथ ही सुनामी का भी कोई अलर्ट जारी नहीं हुआ है। इससे पहले साल 2021 में भी सुलावेसी प्रांत में 6.2 मैग्नीट्यूड का भूकंप आया था। उस भूकंप में 100 से ज्यादा लोग मारे गए थे और हजारों लोग बेघर हो गए थे।

सूडान में बड़ा विमान हादसा, 10 की मौत

खार्तूम, एजेंसी। सूडान में सैन्य विमान हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत की खबर है। मंगलवार को यह हादसा सूडान की राजधानी खार्तूम में हुआ, जिसमें कई सैन्य अधिकारी और नागरिक शामिल हैं। आधइकारिक बयान में कहा गया है कि विमान ने एयरबेस से उड़ान भरने के दौरान हादसे का शिकार हो गया। हादसे में सेना के कई जवान और आम नागरिक घायल भी हुए हैं। हादसे की वजह विमान में तकनीकी खराबी बताई जा रही है।

पुलिस पर कार्रवाई जारी रही तो शांति कभी नहीं : जमां

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में सरकार और सेना के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। सरकार ने जहां 2018 के संसदीय चुनाव में पक्षपात बरतने के आरोप में 82 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के पर कतर कर उन्हें ओएसडी बना दिया वहीं सेना प्रमुख वकार उज जमां ने ऐसे कदमों की आलोचना की है। जमां ने कहा, सुरक्षा बलों के खिलाफ चल रही कार्रवाई ऐसे ही जारी रही तो शांति व्यवस्था कभी स्थापित नहीं हो पाएगी। जनरल जमां ने 2009 में बांग्लादेश राइफल्स के नरसंहार की याद में आयोजित कार्यक्रम में कहा, देश को स्थिर व एकजुट रखने में पुलिस, रैपिड एक्शन बटालियन, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश व अन्य सुरक्षा बलों ने सकारात्मक भूमिका निभाई है।

हाउस जीओपी ने ट्रंप की योजना के लिए बड़ा बजट किया पास

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन से हाउस रिपब्लिकन ने मंगलवार को 4.5 ट्रिलियन डॉलर के टैक्स कट और 2 ट्रिलियन डॉलर की सरकारी खर्च में कटौती वाले जीओपी बजट को पास कर दिया है। हालांकि कुछ डेमोक्रेट्स ने इसका कड़ा विरोध किया और कुछ रिपब्लिकन भी इसे लेकर असमंजस की स्थिति में थे।

217-215 वोटों से पास हुआ बजट : हाउस स्पीकर माइक जॉनसन को जीओपी बहुमत के साथ इसे पास कराने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। वोटिंग बेहद नजदीकी रही - 217 पक्ष में और 215 विपक्ष में। सभी डेमोक्रेट्स ने इसका विरोध किया। इस प्रस्ताव के तहत ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में दिए गए टैक्स कट को आगे बढ़ाना चाहते हैं, जबकि सरकार के कई विभागों और सामाजिक योजनाओं में भारी कटौती की जाएगी। हालांकि, यह अभी सिर्फ पहला कदम है। सीनेट को अब इस पर काम करना होगा और अंतिम रूप देने में कई हफ्ते लग सकते हैं।

कटौती से जनता नाराज : टैक्स छूट के बदले स्वास्थ्य सेवाओं, खाद्य सहायता (फूड स्टैम्प), और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं में कटौती की जा रही है, जिससे लोगों में गुस्सा है। डेमोक्रेट नेता हकीम जेफ्रीज ने इसे अमेरिका के लिए धोखा बताया। हालांकि जीओपी नेताओं ने कहा कि मेडीकेड (स्वास्थ्य सेवा) पर सीधा असर नहीं होगा, फिर भी कई सांसद चिंतित हैं। न्यूयॉर्क से रिपब्लिकन सांसद माइक लॉरलर ने कहा कि ट्रंप ने वादा किया है कि मेडीकेड में कटौती नहीं होगी।

बजट घाटा बढ़ने की चिंता : रिपब्लिकन के ही कुछ सांसद चिंतित हैं कि यह बजट देश के 36 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज को और बढ़ा देगा। वहीं टैक्स कट की लागत 4.5 ट्रिलियन डॉलर है, जबकि सरकारी खर्च में केवल 2 ट्रिलियन डॉलर की कटौती हो रही है।

सीनेट की अलग योजना : वहीं, सीनेट रिपब्लिकन ने अपना 340 बिलियन डॉलर का एक अलग प्रस्ताव रखा है, जो ट्रंप के प्रवासन और बॉर्डर सुरक्षा एजेंडे को प्राथमिकता देता है। आने वाले हफ्तों में इस बजट पर और बहस होगी और अंतिम फैसला तभी होगा जब दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) की योजनाओं को मिलाकर एक अंतिम विधेयक तैयार किया जाएगा।

आर्थिक व्यवहार्यता पर ही भारत-श्रीलंका तेल पाइपलाइन संभव : कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की राष्ट्रीय तेल कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (सीपीसी) प्रमुख ने कहा कि भारत व श्रीलंका के बीच प्रस्तावित बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन तभी आगे बढ़ेगी, जब यह आर्थिक रूप से व्यवहार्य होगी। सीपीसी चेयरमैन डब्लू ए राजकरुणा ने डेली मिरर अखबार को बताया कि परियोजना की व्यवहार्यता का आकलन किया जा रहा है। हम केवल राजनीतिक कारणों से इस पर निर्णय नहीं ले सकते। उन्होंने कहा कि उन्होंने पिछले हफ्ते राष्ट्रपति दिसानायके के साथ इस बारे में बातचीत में भाग लिया था।

पोप ने संत उपाधि के उम्मीदवारों पर विदेश मंत्री के साथ की चर्चा : वेटिकन सिटी, एजेंसी। वेटिकन ने मंगलवार को कहा कि पोप फ्रांसिस इतने स्वस्थ हैं कि उन्होंने संभावित संत पद के उम्मीदवारों से जुड़े नए आदेशों को मंजूरी देने के लिए वेटिकन के विदेश मंत्री और उनके सहायक से अस्पताल में मुलाकात की। मंगलवार को 'होली सी' के दोपहर के बुलेटिन में प्रकाशित आदेशों से संकेत मिलता है कि पोप के अस्पताल में गंभीर हालत में होने के बावजूद वेटिकन का तंत्र काम कर रहा है। उधर, पोप की सेहत में सुधार को लेकर वेटिकन सिटी में हजारों लोगों ने प्रार्थना की।

चीन ने दो तिब्बती अफसरों को हटाया : बीजिंग, एजेंसी। चीन ने युन्नान प्रांत से तिब्बत के दो वरिष्ठ अधिकारियों को निष्कासित कर दिया है। इनमें देचेन के पूर्व गवर्नर क्यूई जियानक्सिन व तिब्बती स्वयत्त प्रांत के पूर्व उप-गवर्नर जंगचुप शामिल हैं। दोनों अधिकारी जातीय रूप से तिब्बती हैं। तिब्बत के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान (आईसीटी) के अनुसार चीन ने तिब्बत पर नियंत्रण मजबूत करने के लिए दोनों अफसरों को हटाया है।

दो साल बाद बगदाद लौटे पूर्व इराकी पीएम मुस्तफा

बगदाद, एजेंसी। कानून के शासन को बढ़ावा देने के लिए जाने जाने वाले पूर्व इराकी प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-काधिमी मंगलवार को दो साल से अधिक समय बाद बगदाद लौटे। यह उनकी पहली यात्रा है, जबकि इराक में सुरक्षा खतरे अभी भी बने हुए हैं। बता दें कि 2021 में, अल-काधिमी पर एक हत्या का प्रयास हुआ था, जब बगदाद के ग्रीन जोन इलाके में उनके आवास को दो सशस्त्र ड्रोन ने निशाना बनाया था। यह हमला उस समय हुआ था जब इरान समर्थित मिलिशियाओं ने संसदीय चुनाव परिणामों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था, जिससे तनाव बढ़ गया था। अल-काधिमी 2022 में प्रधानमंत्री पद का कार्यकाल समाप्त होने के बाद इराक छोड़कर लंदन और संयुक्त अरब अमीरात में रहने लगे थे। अपने लौटने पर पूर्व प्रधानमंत्री ने तुरंत कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया। अधिकारियों का कहना है कि पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ सुरक्षा खतरे अभी भी मौजूद हैं। अधिकारियों का कहना है कि वह वर्तमान इराकी राजनीतिक नेताओं के निमंत्रण पर लौटे हैं, जो उम्मीद करते हैं कि वह अपनी कनेक्शनों का इस्तेमाल कर देश की बिगड़ती आर्थिक स्थिति का सामना करने में मदद कर सकते हैं, जो देश की स्थिरता के लिए खतरा बनी हुई है।

उत्तरी कैरोलिना में मेडिकल हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

कैरोलिना, एजेंसी। उत्तरी कैरोलिना हवाईअड्डे के पास जंगली इलाके में एक मेडिकल हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसके बाद उसमें सवार तीन लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नोवांट हेल्थ ने एक बयान में कहा कि उसकी टीम के तीन सदस्य एयरलिंक हेलीकॉप्टर पर थे। दुर्घटना के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। बयान में यह भी कहा गया है कि हेलीकॉप्टर में कोई भी मरीज नहीं था। इस हादसे को लेकर संघीय उड्डयन प्रशासन ने भी बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि यूरोकॉप्टर ईसी-135 हेलीकॉप्टर शाम करीब 7:50 बजे विलमिंगटन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हादसे के बाद प्रारंभिक रिपोर्ट में उड़ान चालक दल के एक सदस्य की चोटों को गंभीर बताया गया था, लेकिन विमान में सवार अन्य दो सदस्यों की चोट गंभीर नहीं थी।

बिजली गुल होने से अंधेरे में डूबा दक्षिण अमेरिकी देश चिली, सरकार ने लगाया आपातकाल

सैंटियागो , एजेंसी। चिली में मंगलवार को अचानक बिजली गुल होने से पूरा जनजीवन थम गया और देश का अधिकांश हिस्सा अंधेरे में डूब गया। इसके चलते यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और इंटरनेट सेवा भी ठप हो गई। इंटरनेट बंद होने से व्यवसाय और दैनिक जीवन भी थम गया। अधिकारी बिजली बहाल करने की कोशिशों में जुटे हैं। हालात को देखते हुए चिली की सरकार ने आपातकाल की घोषणा कर दी है और रात में अनिवार्य रूप से कर्फ्यू लागू कर दिया है। बिजली गुल होने के बाद दुनिया के सबसे बड़े तांबा उत्पादक देश ने खनन कार्य भी बंद हो गया है। कई इलाकों में लोगों ने पानी की कमी की शिकायत की है क्योंकि बिजली से चलने वाले पंप नहीं चल पा रहे हैं। हालांकि आपातकालीन जनरेटर्स की मदद ने अस्पतालों और सरकारी कार्यालयों को चालू रखने की कोशिश की जा रही है। चिली सरकार की आंतरिक मामलों की मंत्री कैरोलिना तोहा ने चेताया है कि हालात और खराब हो सकते हैं क्योंकि अभी तक बिजली गुल होने का कारण पता नहीं चल सका है। हालात इस कदर खराब हैं कि अंधेरे में डूबे इलाकों में लोगों की सुरक्षा के लिए चिली की सरकार ने सेना उतार दी है। साथ ही सुरक्षाबल के जवान ही अंधेरी सड़कों पर ट्रैफिक का प्रबंधन कर रहे हैं।

ट्रम्प को चेतावनी- रूस से जल्दबाजी में समझौता न करें

वॉशिंगटन, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युल मैक्रों ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी दी है कि यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस से जल्दबाजी में समझौता न करें। मैक्रों ट्रम्प से मिलने अमेरिका पहुंचे थे, मुलाकात के बाद उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में इस बारे में बात की। मैक्रों ने बताया कि कुछ ही हफ्ते में रूस और यूक्रेन में युद्धविराम समझौता होने की पूरी संभावना है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि के तौर पर ट्रम्प से मिले थे, क्योंकि यूरोप के करीब सभी देश अपनी सुरक्षा को लेकर एक जैसी चिंता रखते हैं। मैक्रों ने कहा- हमने 2014 में रूस के साथ शांति समझौता किया था। मैं आपको व्यक्तिगत अनुभव से बता सकता हूं, क्योंकि मैं उस शांति समझौते पर नजर रखने वाले दो सदस्यों में से एक था। रूस ने हर बार समझौते का उल्लंघन किया और हमने एकजुट होकर जवाब नहीं दिया। इसलिए मुद्दा भरोसे का है। सबसे पहले रूस और अमेरिका में बातचीत होना चाहिए मैक्रों ने कहा मेरे हिसाब से युद्धविराम समझौते का क्रम इस तरह से होना चाहिए कि सबसे पहले अमेरिका और रूस के बीच बातचीत होनी चाहिए और फिर अमेरिका और यूक्रेन के बीच। राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार घोषणा की है कि वो यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ बैठक के लिए तैयार हैं, यह बहुत जरूरी बात है। उन्होंने कहा- आने वाले हफ्तों में युद्धविराम हो सकता है। रूस को इसका सम्मान करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो यह साफ हो जाएगा कि पुतिन शांति समझौते और यूक्रेन की संप्रभुता के बारे में गंभीर नहीं है।

यूक्रेन को अकेला छोड़ा तो उस पर हमले का खतरा : राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा- जब युद्धविराम लागू होगा तब हम यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी और रूस के कब्जे से यूक्रेनी जमीन वापस लेने के मुद्दे पर बात करेंगे। यह यूक्रेन के राष्ट्रपति की जिम्मेदारी होगी कि वो अपने देश के हितों की रक्षा करें। उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूक्रेन में यूक्रेनी खनिज को लेकर कोई समझौता होता है तो इससे फ्रांस और बाकी यूरोप को कोई दिक्कत नहीं है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेन के नाटो में शामिल करने को लेकर कोई आम सहमति नहीं है, लेकिन अगर हम (यूरोपीय नाटो सदस्य) यूक्रेन को अकेला छोड़ देते हैं, जैसा कि हमने पहले भी किया था तो रूस की तरफ से एक और हमले का खतरा है। यूक्रेन में फ्रांस और ब्रिटेन की संयुक्त सेना भेजने का प्रस्ताव मैक्रों ने कहा कि हमें यह देखना होगा कि शांति समझौते पर आगे बढ़ने के लिए किस तरह की सुरक्षा गारंटी की जरूरत है। एक ऑप्शन यह हो सकता है यूक्रेन की सैन्य क्षमता को मजबूत किया जाए ताकि वो रूसी मोर्चे पर एक मजबूत सेना बनाए रख सके। दूसरा तरीका यह हो सकता है कि फ्रांस और ब्रिटेन मिलकर एक प्रस्ताव पर काम करें कि वो यूक्रेन में ज्वाइंट सेना भेजेंगे। यह सेना उस इलाके में तैनात की जाएगी जहां रूस और यूक्रेन में सहमति होगी। इसका मकसद सिर्फ यह होगा की रूस की विश्वसनीयता पर नजर रखी जा सके। यह सब अमेरिका की सहमति के साथ होगा।

कांगो संकट को लेकर सवालों के घेरे में रवांडा, ब्रिटेन का किगाली के खिलाफ बड़ा कदम

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने मंगलवार को कहा कि वह रवांडा को दी जाने वाली कुछ द्विपक्षीय सहायता रोक देगा और पड़ोसी कांगो के संकट में किगाली की भूमिका के कारण उस पर अन्य राजनयिक प्रतिबंध लगाएगा। रवांडा पर इस समय वैश्विक दबाव है। उस पर आरोप है कि वह एम23 समूह का समर्थन करता है, जिसने जनवरी से ही गोमा और बुकावु शहरों सहित पूर्वी कांगो के बड़े हिस्से और बहुमूल्य खनिज भंडारों पर कब्जा कर लिया है। किगाली ने इस एम23 समूह को समर्थन देने से इनकार किया है, लेकिन कहा कि उसके अपने सैनिक कांगो स्थित शत्रुतापूर्ण समूहों के खिलाफ आत्मरक्षा में कार्रवाई कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटिश सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि जब तक शत्रुता समाप्त करने में महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हो जाती और कांगो क्षेत्र से सभी रवांडा रक्षा बलों की वापसी नहीं हो जाती, तब तक ब्रिटेन कार्रवाई करता रहेगा। ब्रिटेन कार्रवाई के तहत - रवांडा सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में उच्च स्तरीय उपस्थिति को समाप्त करना, रवांडा के साथ

व्यापार संवर्धन गतिविधि को सीमित करना; रवांडा सरकार को प्रत्यक्ष द्विपक्षीय वित्तीय सहायता को रोकना, सबसे गरीब और सबसे कमजोर लोगों की मदद को छोड़कर। बयान में कहा गया कि ब्रिटेन संभावित नए प्रतिबंधों पर साझेदारों के साथ समन्वय करेगा, रवांडा को भविष्य में दी जाने वाली रक्षा प्रशिक्षण सहायता को निलंबित करेगा और रवांडा रक्षा बल के लिए निर्यात लाइसेंस की समीक्षा करेगा। ब्रिटेन सरकार के प्रवक्ता ने कहा, रवांडा की सुरक्षा संबंधी चिंताएं हो सकती हैं, लेकिन इनका सैन्य तरीके से समाधान करना अस्वीकार्य है। इस संघर्ष का केवल राजनीतिक समाधान ही हो सकता है। प्रवक्ता ने कहा, हम डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) को समावेशी वार्ता के हिस्से के रूप में एम23 के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हम अपनी नीति की समीक्षा करते रहेंगे।

निवेशकों के लिए डोनाल्ड ट्रंप की नई गोल्ड कार्ड योजना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को निवेशकों के लिए एक नई योजना की घोषणा की। उन्होंने निवेशकों के लिए गोल्ड कार्ड निवास परमिट बेचने की अपनी योजना की घोषणा की है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने निवेशकों के लिए 35 साल पुराने वीजा की जगह 5 मिलियन (50 लाख) अमेरिकी डॉलर का गोल्ड कार्ड शुरू करने की योजना बनाई है, जिसे पाने वाला व्यक्ति अमेरिकी नागरिकता पाने का पात्र होगा। ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय) में ट्रंप ने कहा, अमीर और सफल लोग ये वीजा ले सकते हैं। वे काफी पैसा निवेश करेंगे, काफी कर का भुगतान करेंगे, काफी लोगों को नौकरी देंगे और मुझे लगता है कि यह (योजना) बहुत ही सफल होने वाली है। वाणिज्य मंत्री होवार्ड ल्युटनिक ने कहा कि दो सप्ताह में ईबी-5 वीजा की जगह ट्रंप गोल्ड कार्ड ले लेगा। संसद ने 1990 में विदेशी निवेश को ध्यान में रखते हुए ईबी-5 वीजा पेश की थी और यह 10 लाख अमेरिकी डॉलर का निवेश करने वाले व्यक्तियों के लिए उपलब्ध है। ईबी-5 वीज़ा वर्तमान में स्थायी अमेरिकी निवास के लिए सबसे स्पष्ट मार्गों में से एक है, जो किसी विदेशी को अमेरिकी कंपनियों में निवेश करके ग्रीन कार्ड प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा अमेरिकी जन्मसिद्ध नागरिकता नीति को समाप्त करने के महीनों बाद, ईबी-5 वीज़ा कार्यक्रम बड़ी संख्या में भारतीयों, विशेष रूप से ॥-1क्र वीज़ा धारकों के लिए एक अनुकूल विकल्प के रूप में उभरा। आव्रजन से

संबंधित गृह मंत्रालय के वार्षिक आंकड़ों के अनुसार 30 सितंबर 2022 तक 12 महीने के दौरान लगभग 8,000 लोगों ने निवेशक वीजा लिया था। संसद की शोध सेवा ने 2021 में कहा था कि ईबी-5 वीजा में धोखाधड़ी का खतरा बना रहता है।

परामर्श कंपनी 'हेनली एंड पार्टनर्स' के अनुसार दुनियाभर में निवेशक वीजा आम हैं। कंपनी के अनुसार अमेरिका, ब्रिटेन, स्पेन, ग्रीस, माल्टा, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और इटली समेत दुनियाभर के 100 से अधिक देश अमीर लोगों को गोल्डन वीजा देते हैं। ट्रंप ने कहा, यह (गोल्ड कार्ड) एक ग्रीन कार्ड की तरह होगा, लेकिन किसी भी तरह के गडबड़झाले से मुक्त होगा। यह लोगों, खासकर अमीर और प्रतिभाशाली व्यक्तियों के लिए अमेरिकी नागरिकता लेने का रास्ता बनाएगा। नागरिकता के लिए योग्यता कांग्रेस निर्धारित करती है, लेकिन ट्रंप ने कहा कि गोल्ड कार्ड के लिए कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी।

चीनी जासूसी गुब्बारे मामले में पूर्व स्पीकर-अधिकारियों को धमकाना पड़ा भारी, शख्स को अब काटनी पड़ेगी सजा

बिलिंग्स, एजेंसी। अमेरिका के मोंटाना राज्य के बिलिंग्स के रहने वाले एक व्यक्ति को पूर्व हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी को धमकी देने के मामले में सजा मिल सकती है। बता दें कि, यह व्यक्ति चीन के जासूसी गुब्बारे को न गिराने से इतना नाराज हो गया था कि उसने सरकारी अधिकारियों को फोन कर धमकियां दीं।

क्या है पूरा मामला : जानकारी के मुताबिक, 45 वर्षीय रिचर्ड रॉजर्स ने 3 फरवरी 2023 को 75 मिनट के अंदर पूर्व हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी के कार्यालय में 100 से अधिक फोन कॉल किए। यह घटना तब हुई जब पेंटागन (अमेरिकी रक्षा विभाग) ने स्वीकार किया कि वह चीन के जासूसी गुब्बारे पर नजर रख रहा है। यह गुब्बारा बाद में अटलांटिक महासागर में गिराया गया था। इस मामले में सुनवाई के दौरान रिचर्ड रॉजर्स ने एफबीआई और मैक्कार्थी के कार्यालय को किए गए कॉल में भद्दी और अश्लील बातें कही थीं। अदालत में उसने सफाई दी कि यह उसका नागरिक अवज्ञा (सिविल डिसओबीडिएंस) का तरीका था और वह सिर्फ अपनी बात रखना चाहता था।

सजा क्या हो सकती है : अदालत ने रिचर्ड रॉजर्स को कांग्रेस सदस्य को धमकी देने और सरकारी एजेंसियों को परेशान करने का दोषी पाया। इस अपराध के लिए अधिकतम 6 साल की जेल और 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 2 करोड़ रुपये) का जुर्माना हो सकता है। हालांकि, रॉजर्स का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, इसलिए उसे कम सजा मिल सकती है।

अभियोजन और बचाव पक्ष ने क्या दी दलीलें : इस मामले में सरकारी वकीलों ने

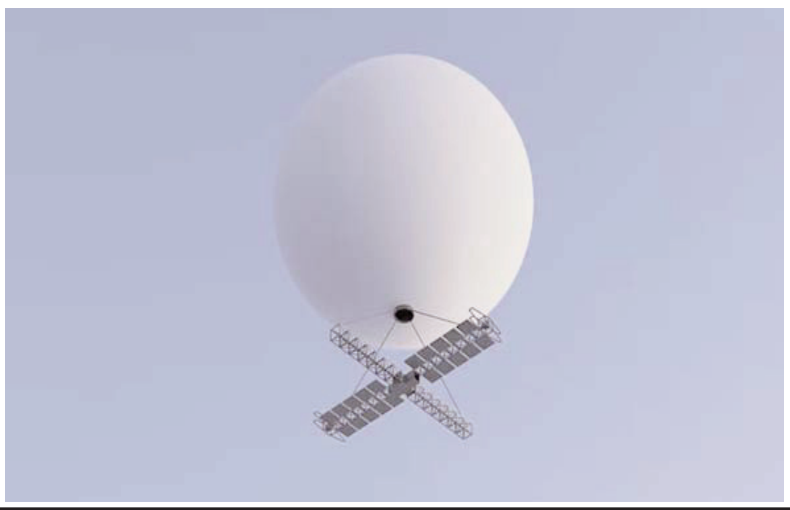

अदालत से कहा कि यह मामला एक कड़ा संदेश देने का मौका है कि सरकारी अधिकारियों को धमकी देना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत नहीं आता। उन्होंने रिचर्ड रॉजर्स को 2 साल जेल की सजा देने की मांग की। वहीं, बचाव पक्ष के वकील ने अनुरोध किया कि रिचर्ड रॉजर्स को जेल न भेजा जाए और उसे सिर्फ निगरानी में रखा जाए।

अमेरिका में बढ़ रहे धमकी के मामले : हाल के वर्षों में अमेरिका में नेताओं और सरकारी अधिकारियों को धमकी देने के मामले तेजी से बढ़े हैं। 2023 में अमेरिकी कैपिटल पुलिस ने ऐसे 8,000 से अधिक मामलों की जांच की। पिछले साल, मोंटाना के ही एक अन्य व्यक्ति को अमेरिकी सीनेटर जॉन टेस्टर और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी, जिस इस मामले में 2.5 साल की जेल हुई थी।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदिर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141080 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)